04 - आतंकवाद के कारण सार्क देशों में बढ़ी दूरियां

05 - भारत सरकार की प्राकृतिक खेती योजना के लिए चुनौती

A Daily News Magazine

भोपाल

शुक्रवार, 09 मई, 2025

06 - भगवान भरोसे एटीएम मशीनों की सुरक्षा

07 - नापाक चालबाज को मोदी का जवाब

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 239, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

धर्म
जीवन का मृत्यु से
टकराना है

धर्म
सबके घर की दीवारों पर
प्रेम के अक्षर
लिखना है

धर्म
नफ़रत के कूड़े को
जलाना है

धर्म
दुखियों के अधरों पर
मुस्कान खिलाना है

धर्म
किसी दूसरे के
धर्म पर बंदूक
चलाना नहीं है
धर्म
सब धर्मों को
आदर-सम्मान देना है

धर्म है तो
सपने साकार
होते हैं
धर्म है तो
जीवन शांति और
सुंदरता का रूप है।

- दुर्गाप्रसाद झाला

प्रसंगवश

'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया में भारत की छवि बदल दी है..

शीला भट्ट

भारत की कार्रवाई तीन मायनों में अभूतपूर्व थी- सैन्य तकनीक, रणनीतिक गहराई और स्पष्ट संदेश देने की तीव्रता में। 22 अप्रैल की सुबह जब पहलगाम के शांत पहाड़ी इलाके में गोलियां गूंजीं, तब किसी ने नहीं सोचा था कि दो हफ्ते बाद भारत की प्रतिक्रिया इतिहास में दर्ज हो जाएगी।

पहलगाम में हुए वीभत्स आतंकवादी हमले में जहां 25 भारतीयों और नेपाल के एक नागरिक की जान चली गई उसके ठीक दो हफ्ते बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों के नौ ठिकानों पर सटीक हमला कर दिया। इस जवाबी कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते हमेशा के लिए बदल जाएंगे क्योंकि भारत का हमला पाकिस्तान भूला नहीं पाएगा। भारत की कार्रवाई तीन मायनों में अभूतपूर्व थी- सैन्य तकनीक, रणनीतिक गहराई और स्पष्ट संदेश देने की तीव्रता में।

एक, इस हमले के दौरान भारतीय सेना ने पहली बार इतने बड़े पैमाने पर सशस्त्र ड्रोन का इस्तेमाल दुश्मन के ठिकाने को नेस्तानाबूद करने के लिए किया। दूसरा, फ्रेंच कंपनी द्वारा बनाए गए स्कॉल्प डीप स्ट्राइक हथियारों का इस्तेमाल भारत ने सफलतापूर्वक किया। दुश्मन की ज़मीन में भारतीय सैनिकों के प्रवेश किए बिना इन मिसायलों ने सही निशाना साधा।

तीसरी नई बात यह है कि 2019 में हुए बालाकोट हमले से भी ज्यादा घातक इस बार का हमला था। बालाकोट में बम गिरने के बाद भी मिलकत या जान हानि के नुकसान के ठोस सबूत नहीं मिले थे, लेकिन इस बार पाकिस्तान ने खुद भारत के आक्रमण से हुई बर्बादी का ब्यौरा दिया। परिणामस्वरूप पाकिस्तान के अंदर एक जबरदस्त माहौल पैदा हुआ है जो उनकी सरकार पर भारत को तगड़ा जवाब देने के लिए दबाव डाल रहा है। यह बताता है कि भारत को अपने लक्ष्यों में कामयाबी मिली है।

सात मई की सुबह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में भारत ने जो कुछ किया, उसके पीछे की सोच एक ही वाक्य में भली भांति समझा दी।

उन्होंने कहा, 'दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीती अख्तियार करनी चाहिए।'

7 मई के बाद विश्व भर में भारत की छवि बदल जाएगी। मोदी एक मजबूत नेता के रूप से तो जाने ही जाते थे, लेकिन पहलगाम के आतंकवादी हमले का 'ईंट का जवाब पत्थर' से देने के बाद उन्होंने बता दिया के पाकिस्तान स्पॉन्सर्ड आतंकवादियों के खिलाफ जंग लड़ने का उनको ईरादा पक्का है। 25 मिनट चले इस हमले में, हिंदुस्तान टाइम्स के हवाले के अनुसार, पाकिस्तान के 80 से ज्यादा लोगों की जान गई है और कई लोग घायल हुए हैं, जबकि पाकिस्तान ने एलओसी पर युद्धविराम का उल्लंघन करके भारत का नुकसान पहुंचाया है।

भारत का ये युद्ध और उसकी पार्श्वभूमि बताता है कि हर एक देश को अपनी लड़ाई खुद लड़नी पड़ती है। भारत कई दशकों से इस लड़ाई में अपने आप को तन्हा महसूस कर रहा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उसके सब्र के सभी बांध टूट गए।

भूतपूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ओर मनमोहन सिंह ने भी अपने अपने तरीके से आतंकवाद के खिलाफ भारत को पश्चिमी देशों का समर्थन मिले उसके लिए मेहनत की, लेकिन सफलता उनके हाथ नहीं लगी। आतंकवाद की मदद से अपनी रणनीति चलाता हुआ पाकिस्तान न बदला न बदलने की कोई इच्छा जताई। पहलगाम की घटना ने नरेंद्र मोदी को एक ऐसी चुनौती दी जिसको वे समझ पाए।

पाकिस्तान में आतंकवाद के गढ़ बने इलाकों के खिलाफ भारत में लोगों की भावना इतनी तीव्र हुई है कि कोई भी लोकप्रिय नेता उसको नज़रअंदाज़ नहीं कर पाया। सबसे पहले तो सरकार ने सिंधु नदी जल संधि ठंडे बस्ते में डाल दी, वह भी एक बहुत गहरा कदम है जो कि किसी सर्जिकल स्ट्राइक से कुछ कम नहीं है, जिस आतंकवादी घटना में निर्दोष भारतीयों को उनका धर्म पूछ के चुन-चुन के मारा गया हो उसका विरोध न करने वाला देश अपनी ही नज़र में गिर जाएगा।

भारत का पाकिस्तान के साथ का आज का सख्त रवैया मोदी सरकार की मजबूरी भी थी। भारत के लोग भारत की ही धरती पर सलामत न हो वह स्थिति नॉर्मल कैसे हो सकती है?

2019 में भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में हमला किया था, लेकिन वह जम्मू और कश्मीर की सरहद के नज़दीक थी। मुरीदके और बहावलपुर में मिसाइल हमला करने से भारत ने भारत पाकिस्तान संबंधों को मूलभूत रूप से बदल दिया है, क्योंकि भारत पाकिस्तान के पंजाब जा पहुंचा है। पाकिस्तान कि सत्ता मूल पाकिस्तान के पंजाबियों के हाथ में है।

भारत की सैन्य कार्रवाई कितनी सफल रही और कहां निष्फल रही यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई तीन साल से चल रही है फिर भी उसका आखिरी परिणाम आया नहीं है। भारत का भी कुछ नुकसान तो हुआ है और आगे क्या होगा वह बताना अभी ज़रा मुश्किल है।

हर एक युद्ध साइकोलॉजिकल भूमि पर ज्यादा लड़ा जाता है। नरेंद्र मोदी ने भारतीय सेना के द्वारा पाकिस्तान में एक खौफ तो ज़रूर पैदा किया है। सदमा और खौफ बनाए रखना युद्ध का एक महत्वपूर्ण एजेंडा होता है। कुछ सालों तक तो पाकिस्तान के शासक पहलगाम जैसी हरकत करने के पहले एक बार ज़रूर सोचेंगे।

22 अप्रैल को पहलगाम की घटना होने के बाद भारत के लोगों की नींद उड़ गई थी। सात मई की रात को पाकिस्तान की नींद उड़ गई। जब आधे घंटे के दरमयान करीब 28 मिसाइल उसकी धरती पर गिरे तो कितना मानसिक आघात लगता है?

इस घटना से पूरी दुनिया में एक कुतूहल होगा। इस बात का गंभीर विश्लेषण होगा कि क्या आतंकवाद को सेना के दबाव से रोका जा सकता है? भारत का अनुभव कैसा रहेगा वह पूरी दुनिया के रस का विषय बना रहेगा।

7 मई की घटना भारतीय सेना द्वारा उठाए गए कदमों से ज्यादा बड़ा एक संदेश देता है की भारतीय आम जनता को पाकिस्तान द्वारा संचालित आतंकवाद का शिकार होना अब कतई मंजूर नहीं हैज्इनफ इज़ इनफ।

('द प्रिंट हिंदी' में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

पाकिस्तान का जम्मू, राजस्थान, पंजाब में कई जगह सुसाइड ड्रोन्स व मिसाइल से हमला, एस-400 ने सभी को मार गिराया

पाकिस्तान के 3 लड़ाकू एफ-16-17 को मार गिराया

भारत ने लाहौर पर हमला किया

जम्मू, चंडीगढ़, राजस्थान, श्रीनगर, वैष्णो देवी मंदिर समेत कई जगहों पर ब्लैकआउट

नईदिल्ली (एजेंसी)। जम्मू में पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन और ड्रोन हमले की आशंका के बीच भारतीय सेना ने प्रभावी जवाब दिया। सैनिक कॉलोनी और एयरपोर्ट पर धमाके हुए हैं। कई जगहों पर ब्लैकआउट हो गया है। पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर जारी है। इस बीच जम्मू में कई धमाकों की

आवाज आई है। कई इलाकों के बिजली गुल है. सायरन की आवाजें भी गूंज रही हैं। जम्मू के सैनिक कॉलोनी और एयरपोर्ट पर धमाके की आवाज के बाद अफरातफरी मच गई है। सांबा में पाकिस्तान द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया है। भारतीय सेना प्रभावी ढंग से जवाब दे रही है और लाहौर पर मिसाइल से हमला कर दिया। लाहौर में भगदड़ मची हुई थी। पीएम मोदी के साथ तीनों सेना के चीफ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अजित ढोभाल बैठक कर रही थे।

जैसलमेर में ब्लैकआउट के बीच धमाके की आवाज सुनाई दी

पहलगाम हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने 7-8 मई की दरमियानी रात राजस्थान के तीन सैन्य ठिकानों पर हमला किया था, हालांकि भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे नाकाम कर दिया। जैसलमेर में ब्लैकआउट के दौरान धमाकों की आवाज सुनाई दी। यहां लगातार सायरन बजने बज रहा है। हालांकि धमाकों को लेकर पुष्टि नहीं हो पाई।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान

श्रीनगर-चंडीगढ़ समेत 15 शहरों में हमले की कोशिश नाकाम

एस 400 डिफेंस सिस्टम 'सुर्दशन' ने किए विफल

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले, अभी ऑपरेशन सिंदूर जारी है...

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। गुरुवार को पाकिस्तानी सेना ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए श्रीनगर जम्मू और पंजाब के अमृतसर जालंधर और लुधियाना में सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना ने आदमपुर बठिंडा चंडीगढ़ सहित अन्य स्थानों पर सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। भारतीय सेना ने समय रहते पाकिस्तान के इस प्रयास को विफल कर दिया है। एस-400 सुर्दशन से सभी हमले विफल करने में कामयाब रहा। जबावी हमले में भारत ने पाकिस्तानी के तीन डिफेंस सिस्टम तबाह कर दिए थे जो कि चीनी निर्मित थे। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ बोले, अभी आपरेशन सिंदूर जारी है... देखते जाओ...क्या-क्या.. होता है।

इन शहरों पर किया गया था हमला, जो नाकाम किए

अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई, भुज। इन शहरों साथ ही उत्तरी और पश्चिमी भारत में सैन्य ठिकानों पर हमला किया गया था।

पीएम मोदी ने कहा- अलर्ट रहें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में टॉप अफसरों के साथ मीटिंग की। पीएम ने विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों से कहा कि अपनी मिनिस्ट्री के ऑपरेशंस का विस्तार से रीव्यू करें। साथ ही जरूरी सिस्टम, हर समय तैयार रहने, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और इंटरनल कम्युनिकेशन प्रोटोकॉल के लिए कहा है। प्रधानमंत्री के साथ मीटिंग में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री ऑफिस के सीनियर अफसर, रक्षा, गृह, विदेश, सूचना-प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और टेलीकम्युनिकेशन विभाग के सचिव शामिल हुए।

जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हम पाकिस्तान के साथ तनाव बढ़ाना नहीं चाहते हैं। अगर पाकिस्तान हमला करता है तो यह तय है कि हम उसे करारा जवाब देंगे।

- **अमेरिका-इजराइल ने अपने नागरिकों को सुरक्षित रहने को कहा**- भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर इजराइल ने एडवाइजरी जारी करते हुए अपने नागरिकों को जम्मू-कश्मीर न जाने और वहां से तुरंत निकलने को कहा है।
- **हरियाणा हाईअलर्ट पर, गुरुग्राम में डॉक्टरों की छुट्टियां कैंसिल**- ऑपरेशन सिंदूर के बाद हरियाणा हाईअलर्ट पर है। गुरुग्राम में डॉक्टरों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं।
- **राजस्थान का 1037 किमी लंबा बॉर्डर सील, फ्लाइट ऑपरेशन बंद**-ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान से सटे पाकिस्तान के गांवों में सेना का मूवमेंट हो रहा है। इसके चलते राजस्थान 1037 किलोमीटर लंबे पूरे राजस्थान से लगे बॉर्डर को सील कर दिया गया है।
- **राजस्थान के 3 सैन्य ठिकानों पर पाक का हमला** -पहलगाम हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने 7-8 मई की दरमियानी रात राजस्थान के तीन सैन्य ठिकानों पर हमला किया था, हालांकि भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने इसे नाकाम कर दिया।
- **राजस्थान में बॉर्डर से सटे जिलों में अलर्ट, गाइडलाइन जारी,बाड़मेर में 7 घंटे का रहेगा ब्लैकआउट**- पाकिस्तान की ओर से राजस्थान के 3 सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश के बाद सरहदी जिलों में अलर्ट जारी किया है।

अब पाकिस्तान को कौन बचाएगा, पूरे मुल्क में हड़कंप, अमेरिका ने दिया 'डूब मरने' वाला संदेश!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने 7-8 मई की दरमियानी रात भारत के कई शहरों पर हमले की कोशिश करके बहुत बड़ी गलती कर दी है। उसकी इस गुस्ताखी का भारत किस तरह से जवाब देगा, उसने शायद सपने में भी नहीं सोचा होगा। गुरुवार को भी पूरे दिन पाकिस्तान के तमाम शहरों में हड़कंप मचा हुआ थै। भारतीय सशस्त्र सेना ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के अनकों एयर डिफेंस रडारों और सिस्टम को तबाह कर दिया है। पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ी डूब मरने वाली बात तो ये है कि अमेरिका ने पाकिस्तान में मौजूद अपने नागरिकों को वहां से निकल जाने या अपना बचाव खुद करने का संदेश जारी कर दिया है।

पाकिस्तान ने अपनी शामत बुला ली

भारत लगातार कहता रहा कि उसने पाकिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में जिन 9 ठिकानों पर हमले किए हैं, वह उन आतंकियों के थे, जो भारत में पिछले ढाई दशकों में हुए आतंकी वारदातों के गुनहगारों के थे। भारतीय सशस्त्र सेना ने इस बात का पूरा ख्याल रखा था कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के किसी भी नागरिक और उनके इंफ्रास्ट्रक्चर को बाल भी बांका न हो और ना ही पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने उसके दायरे में आएं। लेकिन, अपनी आदत से मजबूर पाकिस्तान ने भारतीय शहरों पर हमले की कोशिश करके अपनी शामत खुद बुला ली है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 09 मई 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारत के ऑपरेशन सिंदूर का डर..

या अल्लाह बचा ले... पाकिस्तानी संसद में गला फाड़ रोने लगा सांसद

भारत के ऑपरेशन सिंदूर का असर पाकिस्तानी संसद में भी दिखने लगा है। एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दुनिया के खुद को बचाने की गुहार लगाई थी। अब उन्हीं के देश का एक सांसद भारत के खिलाफ बोलते-बोलते रोने लगा। उसने अल्लाह से पाकिस्तान और खुद को बचाने की गुहार तक लगाई। इस सांसद का नाम रिटायर्ड मेजर ताहिर इकबाल है, जो पाकिस्तानी सेना का पूर्व अधिकारी रह चुका है। उसने संसद में खुलेआम पाकिस्तान की कमजोरी को स्वीकार किया और कहा कि अब सिर्फ अल्लाह की पाकिस्तान को बचा सकते हैं। मेजर ताहिर इकबाल ने कहा, हमारी कौम कमजोर है।

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन ढेर

मारा गया कंधार विमान हाईजैक का मास्टरमाइंड

भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है जिनमें एक ऐसा खूंखार आतंकी भी शामिल है जिसने 1999 में एक भारतीय विमान को हाईजैक करने की खतरनाक साजिश रची थी।

भारत के ड्रोन हमलों से दहला पाकिस्तान, मुल्ला मुनीर की सेना फेल

● लाहौर, कराची, इस्लामाबाद, सियालकोट में हुए धमाके, रावलपिंडी स्टेडियम में दहशत ● चीन निर्मित पाक के 3 एयर डिफेंस सिस्टम खाक ● अमेरिका ने नागरिकों को तुरंत लाहौर छोड़ने को कहा

नईदिल्ली/इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान दावे कर रहा है कि उसके कई शहरों को ड्रोन से निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तान ने कहा है कि कराची और लाहौर, रावलपिंडी, इस्लामाबाद, सियासकोट समेत कई शहरों में ड्रोन हमले हो रहे हैं। वहीं कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये पाकिस्तान के बड़े प्रोपेगेंडा का हिस्सा हो सकता है। वहीं भारत के सुदर्शन एस-400 ने चीन निर्मित पाक के 3 एयर डिफेंस सिस्टम तबाह कर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी है। वहीं अमेरिका समेत विदेश के देशों ने अपने नागरिकों को तुरंत लाहौर पाकिस्तान छोड़ने को कहा।

भारत के हमले से पाकिस्तान का रावलपिंडी स्टेडियम पूरी तरह से हुआ तबाह

पाकिस्तान के रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में एक बड़ा हादसा हुआ है, जब भारतीय सेना की एयरस्ट्राइक के बाद यहां ड्रोन अटैक से स्टेडियम को नुकसान पहुँचा है। यह घटना उस समय हुई जब इस स्टेडियम में पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का मैच खेले जाने वाला था। हमले के बाद पाकिस्तान में दहशत फैल गई।

8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद

● 430 फ्लाइट्स कैंसिल, हरियाणा-पंजाब-राजस्थान में अलर्ट, स्कूल बंद, सरकारी विभागों की छुट्टियां रद्द

श्रीनगर/जयपुर/अमृतसर/अहमदाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के बाद केंद्र ने 8 राज्यों के 28 एयरपोर्ट्स 9 मई तक बंद कर दिए हैं। ये राज्य- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश हैं। बड़े एयरपोर्ट्स में श्रीनगर, जम्मू, लेह, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट, धर्मशाला, अमृतसर, भुज और जामनगर शामिल हैं। ये पाकिस्तान बॉर्डर से लगे हुए हैं। एमपी के ग्वालियर और उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरपोर्ट के ऑपरेशन भी बंद हैं। एअर इंडिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, स्पाइसजेट, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइंस ने गुरुवार को 430 फ्लाइट्स कैंसिल कर दिए। ये देश की डेली फ्लाइट्स का 3 प्रतिशत है। पाकिस्तान में भी 147 फ्लाइट्स कैंसिल हैं, जो डेली फ्लाइट्स का 17 प्रतिशत है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, पहाड़ धंसने से श्रीनगर हाईवे बंद

● बगलिहार-सलाल डैम के गेट खोले; यूपी-छत्तीसगढ़ समेत 19 राज्यों में आंधी-बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के चलते गुरुवार को कई जगह लैंडस्लाइड और मडस्लाइड हुई है। रामबन में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे (एनएच-44) पर कीचड़ जमा होने से ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। ट्रैफिक डिपार्टमेंट के मुताबिक सड़क सुबह 7.30 बजे से बंद है। कई वाहन कीचड़ में फंसे हुए हैं, उन्हें निकाला जा रहा है। भारी बारिश के चलते चिनाब नदी पर रामबन में बने बगलिहार डैम के दो और रियासी में सलाल डैम का एक गेट खोल दिया गया है।

उत्तराखंड हेलिकॉप्टर क्रैश- बरेली की मां-बेटी समेत 6 की मौत

● 250 मीटर गहरी खाई में गिरा, सभी गंगोत्री जा रहे थे

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में गुरुवार को हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बरेली की रहने वाली मां-बेटी भी हैं। हादसा उत्तरकाशी के गंगनानी में भागीरथी नदी के पास हुआ।

हेलिकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था। प्रशासन के

मुताबिक, 7 सीटर हेलिकॉप्टर में 5 महिलाएं और पायलट रॉबिन समेत 2 पुरुष सवार थे। हेलिकॉप्टर गुजरात की अहमदाबाद बेस्ड एरोटांस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का था। यह बेलहेलिकॉप्टर था।

जहां हादसा हुआ, उस जगह की समुद्र तल से ऊंचाई करीब 2600 मीटर है। यह पहाड़ी इलाका है। ऐसे में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम रस्सी के सहारे घटनास्थल तक पहुंचीं।

करीब 3 घंटे रेस्क्यू के बाद सभी को बाहर निकाला। 5 महिला पर्यटकों और पायलट की मौके पर मौत हो गई। सिर्फ एक पुरुष जीवित है, जिसे रेस्क्यू कर एयर एंबुलेंस से ऋषिकेश एआईआईएमएस भेजा गया है। हादसे के बाद उत्तरकाशी में केदारनाथ हेलिकॉप्टर सेवा रोक दी गई।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय ने कहा

पाक के रडार सिस्टम को हमने तबाह कर दिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत द्वारा पाकिस्तान पर कल की गई कार्रवाई के बारे में बताया जा रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत की कार्रवाई की जानकारी दे रहे हैं। इस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी भी मौजूद हैं।

पाकिस्तान को पहले ही चेतावनी दी थी- प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, 07 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया को केंद्रित, मापा हुआ और गैर-बढ़ावा देने वाला बताया था। यह विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया था। यह भी दोहराया गया था कि भारत में सैन्य ठिकानों पर कोई भी हमला उचित जवाब को आमंत्रित करेगा।

07-08 मई 2025 की रात को, पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की।

कर्नल सोफिया कुरैशी

कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, आज सुबह, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई स्थानों पर वायु रक्षा रडार और प्रणालियों को निशाना बनाया। भारत की प्रतिक्रिया पाकिस्तान की तरह ही समान क्षेत्र में और समान तीव्रता के साथ रही है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्प्रभावी कर दिया गया है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामुल्ला, उरी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टरों में मोर्टार और भारी कैलिबर आर्टिलरी का उपयोग करते हुए नियंत्रण रेखा पर अपनी अकारण गोलीबारी की तीव्रता बढ़ा दी है। पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ बोले-

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है। रक्षा मंत्री ने ये बातें दिल्ली के पार्लियामेंट एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहीं। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

डंडे से काम लेना होता है तो डोभाल को बुलाता हूं...

इसके बाद पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह!

अजीत डोभाल भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास लोगों में से एक हैं। डोभाल ने अपने करियर में कई अहम काम किए हैं। उन्होंने दंगों को रोकने के साथ-साथ कश्मीर में शांति बनाए रखने में भूमिका निभाई और तबलीगी जमात के मरकज को खाली करवाया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर में

भी उनकी भूमिका है। पहलगाम आतंकी हमलों के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर में डोभाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ लगातार बैठकें कीं। ऑपरेशन से पहले और बाद में भी डोभाल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगातार कई मुलाकातें बताती हैं कि पाकिस्तान पर अभी और बड़ी कार्रवाई हो सकती है। बृहस्पतिवार सुबह भी डोभाल ने पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद ही खबरें आईं कि पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की थी, जिसे भारत ने अपने सुदर्शन चक्र यानी एस-400 से नाकाम कर दिया। पाकिस्तान का मेड इन चाइना एकक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम भी तबाह हो गया है। इससे पहले पाकिस्तान के कई शहरों में ड्रोन अटैक की भी खबरें आई थीं।

बोले विदेश सचिव-झूठ बोलना पाक की आदत : आतंकियों के जनाजे में सेना का क्या काम

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार शाम 5.30 बजे लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत तनाव बढ़ाने का काम नहीं कर रहा है। हमारा मकसद सिर्फ 22 अप्रैल के हमले का जवाब देना है। हमारा जवाब सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था। मिलिट्री हमारा टारगेट नहीं थी। विदेश सचिव मिसरी ने आतंकवादियों के अंतिम संस्कार की फोटो दिखाई। कहा, अगर सिर्फ सिविलयन मारा गया है तो आर्मी अफसरों की फोटोज आतंकी (लश्कर-ए-तैयबा कमांडर हाफिज अब्दुल रउफ) के साथ क्यों आई, आतंकवादियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया था।

सर्वदलीय बैठक में सरकार को मिला सभी दलों का साथ, राहुल गांधी ने कहा- सरकार को फुल सपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है।

रक्षा मंत्री ने ये बातें दिल्ली के पार्लियामेंट एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहीं। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का प्रतीक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

समाज में आ रहा सकारात्मक बदलाव प्रशंसनीय, मुख्यमंत्री मकरोनिया में 1119 जोड़ों के सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुए वर्चुअली शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समरसता, एकता और मितव्ययिता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि एक ही मंडप में कई जोड़ों का विवाह होना सामाजिक चेतना और बदलती सोच का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से सागर जिले की नरयावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजाखेड़ी बजरिया (मकरोनिया) में सम्पन्न सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का एक ही मंडप में विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब सामूहिक विवाह समाज द्वारा प्रसन्नतापूर्वक सहजता से अपनाए जा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि हमारे समाज की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैवाहिक आयोजनों से वर-वधू दोनों ही पक्षों का आर्थिक बोझ कम हो जाता है और इससे सामाजिक एकता को भी बल मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीय अपील की कि हम सब इसी प्रगतिशील सोच को अपनाएं और समाज में सद्भाव, सहयोग एवं सादगी को प्रोत्साहित

करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से अब तक लाखों जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। यह योजना जरुरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान की तरह है। उन्होंने वर-वधू से कहा कि वे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ें। हमारी सरकार सबके रोजगार और सबके हितों की चिंता कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए श्री हितानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

खजुराहो सांसद श्री विष्णु दत्त शर्मा ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के जरुरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह का जिम्मा अब सरकार ने ले लिया है। बेटियों के हित में पूरी सरकार साथ हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने देश में एक मिसाल पेश की है। यहां धन के अभाव के कारण किसी गरीब परिवार को अपनी बेटी के विवाह के लिए कर्ज़ नहीं लेना पड़ता। यहां सरकार कन्यादान योजना में अपने खर्च पर बेटियों का विवाह कराती है।

कार्यक्रम स्थल से उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र कुमार शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह योजना एक अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है। इससे समाज में व्यापक स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। उन्होंने सभी जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए बताया कि आज ही सभी जोड़ों के खाते में योजना में कुल 6 करोड़ 37 लाख रुपए की धनराशि हस्तांतरित की जा रही है।

सम्मेलन के आयोजक नरयावली विधायक इंजीनियर प्रदीप लारिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सबके सहयोग से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में इस सामूहिक सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का विधिवत विवाह संपन्न कराया गया है।

कार्यक्रम स्थल में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक सागर श्री शैलेंद्र जैन, विधायक बीना श्रीमती निर्मला सप्रे, विधायक बंडा श्री वीरेंद्र लंबरदार, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे। जनप्रतिनिधिगण, वर-वधू और बड़ी संख्या में उनके परिजन भी उपस्थित थे।

दिल्ली-यूपी-हरियाणा के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस

● प्रदूषण निकायों के मामले में अदालत नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को फटकार लगाई है। यह फटकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियों को

लेकर लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 55 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रिक्तियों की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काम नहीं कर पा रहे हैं और लगभग खत्म होने के कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

ऑपरेशन सिंदूर- एमपी में दूसरे दिन भी जश्न

10वीं की टॉपर बोली- मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी था, शंकराचार्य ने कहा- पूरा देश एकजुट

भोपाल (नप्र)। ऑपरेशन सिंदूर कामयाब होने पर मध्यप्रदेश में गुरुवार को भी जश्न का माहौल था। पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक को लेकर कई शहरों में सेना के समर्थन में प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (एमपी बोर्ड) की दसवीं क्लास की टॉपर प्रज्ञा जायसवाल ने कहा कि मुझे ऑपरेशन सिंदूर देखकर अच्छा लगा। जो देश को खोखला कर रहे हैं, उनको मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है। प्रज्ञा ने यह बात गुरुवार को स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह से बातचीत में कही। मंत्री प्रज्ञा को वीडियो कॉल कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दे रहे थे। सिंगरोली की प्रज्ञा जायसवाल ने 500 में से 500 अंक हासिल किए हैं। दूसरी तरफ, शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने कहा- पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार और सेना की कार्रवाई सराहनीय है। पूरा देश इस फैसले के पक्ष में एकजुट है। पहलगाम हमले के आतंकियों को भारत सरकार को सौंप दिया जाता तो पाकिस्तान की यह स्थिति न होती।

भोपाल: महिलाओं ने सिंदूर लगाकर दी बधाई- भोपाल के शाहजहानाबाद स्थित काली मंदिर में महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर बधाई दी। भारत माता की जय के नारे लगाए। पुजारी विजय वाजपेयी ने मिठाइयां बांटी। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की।

वहीं, ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी की अगुवाई में भोपाल के इतवारा चौक पर पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। देशभक्ति के गीतों के बीच लड्डू बांटे। भोपाल जिला अदालत में अधिवक्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाई, हनुमान चालीसा का पाठ किया।

आतंकवाद के खिलाफ भारत की कार्रवाई का सर्वधर्म ने बांटी मिठाइयां- भारत द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध की गई निर्णायक कार्रवाई का समर्थन करते हुए भोपाल में मध्यप्रदेश सर्वधर्म सद्भावना मंच ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया और देश की एकता का संदेश दिया। मंच के सचिव हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने कहा कि देश का हर नागरिक, मजहब और जाति से ऊपर उठकर, भारत सरकार और सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी, तो भारत का हर नौजवान फौज में भर्ती होकर देश के दुश्मनों से लड़ेगा। मुस्लिम समुदाय के युवाओं, महिलाओं और पुरुषों में भी देशभक्ति का वही जज्बा है जो आज़ादी के आंदोलन के दौरान था। उन्होंने कहा कि देश की अखंडता के खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। हाजी इमरान ने प्रधानमंत्री और भारतीय सेना के प्रति पूर्ण समर्थन जताते हुए कहा कि भारत की फौज और सरकार की हर जरूरत पर पूरा देश एकजुट रहेगा। मंच ने सभी धर्मों के नागरिकों से एकता और भाईचारे का संदेश फैलाने की अपील की।

निवाड़ी: दीप जलाकर की सेना की रक्षा की कामना- निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर नगर परिषद क्षेत्र के जेर गांव में महिलाओं ने सिया माता मंदिर पर दीप जलाए। सैनिकों की सुरक्षा की कामना की। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर मिठाई भी बांटी।

उज्जैन: टॉवर चौक पर बजे ढोल, लहराया तिरंगा- उज्जैन में भी सेना की एयर स्ट्राइक से जश्न का माहौल है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने टॉवर चौक पर भारत माता की आरती और आतिशबाजी की। ढोल-धमाकों के साथ डांस किया।

इंदौर: संतों का जयघोष, राजवाड़ा पर लगे नारे- इंदौर के रीगल चौराहे पर संतों ने शंखनाद किया। पाकिस्तान का झंडा जलाया। इससे पहले हंसदास मठ में हवन किया गया। शाम को ब्लैक आउट के दौरान राजवाड़ा पर बड़ी संख्या में इकट्ठा लोगों ने जमकर नारे लगाए।

ग्वालियर: मुस्लिम समुदाय ने लहराया तिरंगा- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर ग्वालियर के महाराज बाड़ा पर मुस्लिम समुदाय ने खुशी जताई। उन्होंने पाकिस्तान को सही सबक सिखाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया।

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित बजट का शत-प्रतिशत करें उपयोग : मंत्री चौहान

भोपाल (नप्र)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि विभाग में जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित बजट का शत-प्रतिशत उपयोग करें। आवंटित बजट का उपयोग शासन की मंशानुरूप अनुसूचित वर्ग के नागरिकों के कल्याण में किया जाए। यह बात मंत्री श्री चौहान ने गुरुवार को मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 में बजट प्रावधान एवं व्यय की समीक्षा के दौरान कही। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश भी दिए। प्रमुख सचिव श्री ई. रमेश कुमार, आयुक्त श्री धनंजय भदौरिया, अपर आयुक्त संजय वार्ष्णेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री चौहान ने कहा कि अनुसूचित जाति विभाग अंतर्गत छात्रावासों में रिक्त सीटों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा आगामी मई एवं जून माह में छात्रावासों की रिक्त सीटें भरने के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करें। मंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्रावास अधीक्षकों की कार्यशाला का आयोजन भी आगामी माह किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या हो एवं पढ़ाई का स्तर भी प्रतियोगी परीक्षाओं के बदलते स्वरूप के अनुरूप हो, जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के अधिक विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सफल हो सके। उन्होंने कहा कि संभागवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मांग के अनुसार कार्य योजना बनायी जाए।

मंत्री श्री चौहान के कहा कि इस वित्तीय वर्ष में बजट के संपूर्ण व्यय की माइक्रो प्लानिंग कर बजट खर्च किया जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में जन-प्रतिनिधियों की मांगो का भी अनुसरण करें। उन्होंने छात्रावास भवन विहीन छात्रावासों के निर्माण का कार्य शीघ्र से पूर्ण करें, जिससे छात्र- छात्राओं को असुविधा न हो। उन्होंने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम की भी समीक्षा की। उन्होंने ज्ञानोदय विद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति करने के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री चौहान ने इस दौरान विद्यार्थियों के लिए अनुसूचित जाति छात्रावास, आवास सहायता योजना, छात्रवृत्तियां, छात्रावास निर्माण, बाबू जगजीवन राव छात्रावास योजना, संत रविदास स्मारक निर्माण सहित कई विषयों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रमुख सचिव श्री ई. रमेश कुमार ने विगत वर्षों के वित्तीय व्यय, विभागीय कार्यों की जानकारी से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर मानवता के सेवकों को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस 2025 के अवसर पर किसी भी संकट की घड़ी में मानवता की सेवा में तत्पर स्वयंसेवकों को सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण की भावना से कार्य करने वाले ये स्वयंसेवक समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के स्वयंसेवक विपरीत परिस्थितियों में भी मानव जीवन की रक्षा और सहायता के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। संकट में फंसे नागरिकों को राहत पहुंचाना , जीवन रक्षक सहायता देना और सामाजिक समरसता बनाए रखना इनका परम कर्तव्य है। ऐसे सेवाभावी लोग मानवता के सच्चे प्रहरी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समाज सेवा के कार्यों में आगे आएं और जरूरतमंदों की सहायता करें। विश्व रेडक्रॉस दिवस हर साल 8 मई को मनाया जाता है, जो रेडक्रॉस के संस्थापक श्री हेनरी ड्यूनेंट की जयंती का प्रतीक है। यह दिन मानव सेवा, करुणा और दया के मूल्यों को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीर्थ यात्रियों की मृत्यु पर शोक जताया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में तीर्थ यात्रियों की असामयिक मृत्यु पर गहन शोक व्यक्त किया है। जानकारी के मुताबिक यह हेलीकॉप्टर गंगोत्री धाम जा रहा था, जो गंगनानी के पास अचानक हादसे का शिकार हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि राज्य सरकार इस मुश्किल वक्त में शोकाकुल परिजन के साथ है। उन्होंने ईश्वर से इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की है।

ग्रीष्मकालीन मूंग में खरपतवारनाशकों के उपयोग को करें हतोत्साहित

भोपाल (नप्र)। हरित क्रांति से हमारे देश ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भरता हासिल कर ली है। आज मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, अनाज के साथ-साथ दलहन के शीर्ष तीन उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश एक है। यहाँ के किसान न केवल अनाज, तिलहन और दलहन का उन्नत उत्पादन करते हैं। माइक्रो इरिगेशन, सुनिश्चित आवश्यक बिजली प्रदाय और सुलभ ऋण तक बेहतर पहुंच के कारण उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसलों की खेती से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हम समय के साथ नवीन समस्याओं का भी उदय देख रहे हैं, जिनका समाधान किया जाना भी आवश्यक है।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वाविद्यालय, जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के ग्वालियर वाईस चांसलर रहे प्रो. (डॉ.) विजय सिंह तोमर का कहना है कि किसान वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती बड़े स्तर पर कर रहे हैं। जो 10 साल पहले तक, बड़े पैमाने पर खरीफ में की जाती थी और यह पर्यावरण के लिए अनुकूल थी। इसकी खेती वर्षा आधारित परिस्थितियों में की जाती थी। मूंग के पौधों की जड़ों में नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया की मौजूदगी होने से यह फसल मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती है। आज मूंग की खेती का क्षेत्रफल तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है, लेकिन यह फसल गर्मियों में उगाई जाने लगी है, इसलिए इससे भू-जल स्तर का अत्यधिक दोहन लगातार हो रहा है। किसान मूंग की बोनी जल्द करने के लिए फसलों के अवशेषों को जलाने पर जोर देते हैं, जिसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में मूंग की अतिरिक्त सिंचाई से बिजली की खपत में भी वृद्धि होती है। राज्य सरकार ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। किसानों को नरवाई के सही उपयोग के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा।

किसानों द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग को जल्दी सुखाने के लिए खरपतवार नाशक पैराक्वेट एवं ग्लाइफोसेट का उपयोग किया जा रहा है, इससे फसल जल्दी पक जाती है। इसका दुष्प्रभाव वातावरण के साथ ही उत्पादित मूंग का सेवन करने वाले आमजन पर भी होता है। इससे विभिन्न प्रकार की बीमारियों के बढ़ने की संभावना होती है।

लगातार खरपतवारनाशकों का उपयोग मिट्टी में उपयोगी सूक्ष्म जीवों को नष्ट कर देता है, जिससे मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता घटती है. साथ ही ग्रीष्मकालीन मूंग में कम से कम 3-4 बार सिंचाई करना पड़ती है। इससे भूमि का जल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है।

किसानों को खेती के लिए अधिक टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को अपनाने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया जा रहा है। किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि ग्रीष्मकालीन मूंग जो प्राकृतिक रूप से पकता है, उसमें कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का उपयोग न के बराबर किया जाये।

डॉ. तोमर ने कहा कि आज यदि डॉ. स्वामीनाथन जीवित होते तो वे इस बात से सहमत होते कि हरित क्रांति ने देश को बहुत कुछ दिया। आज खेती में रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और अन्य पौध संरक्षण रसायनों के उपयोग की होड़ लगी हुई है। इससे मृदा जीव को नुकसान और जल निकाय स्त्रोत ने प्रदूषण की संभावना बढ़ गई है। इसी प्रकार पौध संरक्षण रसायनों के अनियंत्रित उपयोग के परिणामस्वरूप हमारे द्वारा ग्रहण किये जाने वाले भोजन में रासायनिक अवशेषों की मात्रा बहुत अधिक हो जाती है। इसके परिणामस्वरूप बीमारियों और नवीन स्वास्थ्य विकारों के मामलों में वृद्धि हुई है।

दमोह जिले के पटेरा में 10 हजार से अधिक की आबादी को जल-आपूर्ति का लाभ

योजना से 2535 घरों को दिया गया नल कनेक्शन

भोपाल (नप्र)। दमोह जिले के पटेरा नगर में जल-प्रदाय परियोजना का सफल क्रियान्वयन किया गया है। यह परियोजना एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से पूरी की गई है। पेयजल परियोजना का कार्य नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत कार्य करने वाली मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा किया गया है। परियोजना की लागत 9 करोड़ 42 लाख रुपये है। इस लागत के साथ निर्माण एजेंसी पर परियोजना के 10 वर्षों तक संचालन और संधारण की भी जिम्मेदारी रहेगी।

परियोजना के अंतर्गत पटेरा के 2535 घरों को नल कनेक्शन से जोड़ा गया है, जिससे अब प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो गई है। जल की शुद्धि के लिए व्यारमा नदी से पानी लेकर, जल निगम द्वारा

निर्मित अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से इसका शोधन किया जा रहा है।

शहर की 10 हजार से अधिक की आबादी को लाभ पहुंचाने के लिये लगभग 45 किलोमीटर लंबी जल वितरण पाइप-लाइन बिछाई गई है। इसके अतिरिक्त जल संग्रहण के लिए 540 किलोलीटर क्षमता का ग्राउंड सर्विस रिजर्वायर भी तैयार किया गया है।

इस परियोजना से पटेरा नगर के समस्त 15 वार्डों की जनता को लाभ मिल रहा है। घर-घर नल कनेक्शन मिलने से नागरिकों को अब पानी के लिए दूर जाने की दिक्कतों से छुटकारा मिल गया है। यह पहल न केवल नागरिकों की सुविधा बढ़ा रही है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

मंत्री सारंग बोले

पाकिस्तान में रिश्तेदारियां नहीं करना चाहिए : जो देश आतंकवादी भेजता है वहां रिश्तेदारी क्यों करना

भोपाल (नप्र)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा निरस्त कर तत्काल वापस लौटने का आदेश दिया था। इस दौरान बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं भी सामने आई जिनकी ससुराल पाकिस्तान में हैं। कई महिलाओं के पास वैध वीजा न होने के कारण वे परेशान हो रहीं हैं।

जो हमारा विरोधी देश, वहां रिश्तेदारी क्यों करना- भारत के लोगों की पाकिस्तान में रिश्तेदारियों को लेकर मप्र के खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि जो हमारा विरोधी देश है वहां क्यों रिश्तेदारी करना, जो हमारे खिलाफ काम करता है आतंकवाद को पनाह देता है ऐसे देश में हम रिश्तेदारी क्यों करें।

कांग्रेस ने कहा- ये समय ऐसे बयान देने का नहीं- मंत्री विश्वास सारंग के बयान पर पूर्व मंत्री और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा- अभी पाकिस्तान से भारत का संघर्ष चल रहा है। अभी तो हमें ये देखना है कि पूरा देश सामने खड़ी परिस्थितियों का सामना करे और एकजुट रहे। अभी ये इस तरह के व्यक्तिगत बयान देने का समय नहीं हैं। अभी तो पूरा देश जयहिंद की सेना के साथ है। देश चाहता है कि भारत के मासूम लोगों का जो नरसंहार हुआ है उसका प्रतिकार हमारे देश को करना चाहिए।

सरकार के निर्णय का सबको पालन करना चाहिए- जिन महिलाओं की ससुराल पाकिस्तान में हैं उनको लेकर क्या कहेंगे? इसके जवाब में सारंग ने कहा- अब सरकार की जो रीति-नीति है उसके बारे में हम कुछ नहीं करेंगे। सरकार जो निर्णय करेगी उसका पालन सबको करना चाहिए।

आधार के अनुप्रयोग से सुगम हो रहा सुशासन, खुल रहे नवाचार के नये रास्ते

भोपाल (नप्र)। 'एआई भारत @ एमपी' कार्यशाला में "Deriving Ma&imum Impact Out of Aadhaar" विषय पर विशेष सत्र कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित किया गया। सत्र में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से सामाजिक कल्याण, नवाचार और ज्ञान आधारित सुशासन को और अधिक प्रभावशाली बनाने के संबंध में जानकारी दी।

यूआईडीएआई के उप महानिदेशक श्री आमोद कुमार ने आधार की प्रभावशीलता और राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईडीएआई की एआई आधारित चेहरा प्रमाणीकरण प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रणाली ने आधार सेवा की गतिशीलता बढ़ा दी है। साथ ही लाभार्थी की डाटा सुरक्षा में बढ़ोतरी भी हुई है। यूआईडीएआइ प्रौद्योगिकी केंद्र, बेंगलुरु के श्री सुमित आनंद ने इस नवीन प्रणाली के तकनीकी पक्षों को विस्तार से समझाया।

भारत सरकार के डीबीटी मिशन के अपर सचिव श्री सौरभ कुमार तिवारी ने बताया कि कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की व्यावहारिक चुनौतियों को आधार प्रमाणीकरण प्रणाली में आये तकनीकी नवाचारों ने और सुगम बना दिया है।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए आईडीएआई मध्यप्रदेश के निदेशक श्री सुमित मिश्रा ने बताया कि इस तरह की कार्यशालाओं से राज्यों की विशेष आवश्यकताओं का ज्ञान होता है। इन कार्यशालाओं से आधार सेवा प्रणाली को सशक्त बनाने और लाभार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप और सक्षम बनाने के लिए आवश्यक जानकारियां मिलती हैं। इससे आधार की भूमिका को शासन के हर स्तर पर अधिकतम उपयोगी बनाने में सहायता मिलती है।

कार्यशाला में स्पष्ट हुआ कि यूआईडीएआइ के द्वारा उपलब्ध कराई गई ''आधार'' सेवा मात्र पहचान बताने का माध्यम नहीं है। इससे सुशासन और सुगम बनाता है, साथ ही प्रशासन में नवाचारों के लिए नए मार्ग प्रशस्त होते हैं।

मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग का समन्वय आत्मनिर्भरता की दिशा में दूरगामी पहल : प्रभारी मंत्री काश्यप

भोपाल (नप्र)। एमएसएमई और भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग के समन्वय का अनूठा प्रयोग प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में नई क्रांति ला रहा है। कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित 'मध्यप्रदेश में गन्ना फसल एवं शुगर कारखानों के सतत् विकास' सम्मेलन में मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि खेती भारत की आत्मा है और एमएसएमई विभाग के माध्यम से शुगर फैक्ट्रियों की स्थापना से किसानों को बेहतर मार्केटिंग, तकनीकी सहायता एवं वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है।

सम्मेलन में प्रदेश के एमएसएमई और कृषि विभाग के अधिकारी, उद्योगपति तथा किसान प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 3 मई को मंदसौर में आयोजित बड़े कृषि समारोह में कृषि मेले में उद्योगों को शामिल करने का यह पहला प्रयास मध्यप्रदेश की नई दृष्टि को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 55 से 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है, जिससे प्रदेश की जीडीपी में कृषि का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है।

प्रभारी मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने और उत्पादकता के साथ जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। शुगर मिलों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये भूमि, बिजली और ऋण योजनाओं में विशेष रियायतें दी जा रही हैं। इससे कृषि क्षेत्र को बल मिलेगा, बेरोजगारी में कमी आएगी और आर्थिक समृद्धि के नए आयाम खुलेंगे।

प्रभारी मंत्री श्री काश्यप ने अपने वक्तव्य में स्पष्ट किया कि कृषि और उद्योग का यह सम्मिलन आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में एक सकारात्मक और दूरदर्शी पहल है, जो किसानों और उद्योग दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

संपादकीय

इंडिया इज गोइंग टू विन?

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की एंटी टेरर स्ट्राइक और उसके पश्चात पाकिस्तान ने नाकाम जवाबी हमले बदले में भारत द्वारा पाक के समूचे एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह की खबरों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी सहयोगी लॉरा लूमर का एक पोस्ट दुनिया में चर्चा में है। लॉरा ने भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में भविष्यवाणी के अंदाज में लिखा- 'इंडिया इज गोइंग टू विन।' यानी भारत आतंकवाद के खिलाफ यह लड़ाई जीतने जा रहा है। भारत के लिए यह संदेश बहुत सकारात्मक समझा जा रहा है। बताया जाता है कि लॉरा के इस पोस्ट को सोशल मीडिया पर डेढ़ लाख से ज्यादा व्यूज और 30 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। बता दें कि लॉरा सोशल एक्टि विस्ट हैं। खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) मिशन में लॉरा एक जाना पहचाना नाम हैं। उन्हें अक्सर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ देखा जाता रहा है। लूमर एक मशहूर कॉन्सपिरेसी थ्योरिस्ट (साजिशी सिद्धांतकार) हैं। वो खुद को 'प्रो-व्हाइट नेशनलिस्ट' बताती हैं। वो मानती हैं कि अमेरिका में गोरे लोगों को सबसे ज्यादा महत्व मिलना चाहिए। उन्होंने टेस्ला (Tesla) और स्पेस एक्स (SpaceX) के सीईओ (CEO) एलन मस्क के साथ H-1B वीजा प्रोग्राम को लेकर भी बहस की थी। वह 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी की समर्थक हैं। इसलिए वो H-1B वीजा प्रोग्राम का विरोध करती हैं। H-1B वीजा एक ऐसा वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को नौकरी पर रखने की अनुमति देता है। हालांकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के दौरान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता और पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ उनके बयानों की वजह से ट्रंप के कैंपेन को नुकसान हुआ था। इसके बाद उन्हें थोड़ा साइडलाइन कर दिया गया था। ट्विटर पर उनके 1.6 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। लूम अक्सर ट्विटर पर अपनी खोजी खबरें पोस्ट करती रही हैं। यहा कुतूहल इस बात का है कि क्या लॉरा की पोस्ट में कोई स्पष्ट संदेश छुपा है? क्या यह अमेरिकी नीति नियंताओ की सोच को परिलक्षित करता है या फिर लॉरा मनमौजी तरीके से यह पोस्ट डाल दी है। इसे गहराई से समझें तो पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाकिस्तान में आए भारी तनाव और लगभग युद्ध की स्थिति के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का हल्का सा भारत की ओर झुका रवैया, अमेरिकी प्रशासन द्वारा आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत का कभी खुलकर तो कभी दबी जबान से समर्थन इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस मामले में कम से कम पाकिस्तान का तो खुलकर साथ नहीं देगा। पाकिस्तान ने पहलगाम हमला करवाकर अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार ली है, इसका अहसास अमेरिका को भी है। भारत के जवाबी ड्रोन हमलों के बाद पाकिस्तान में अफरा-तफरी के हालात हैं। इस बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत पाकिस्तान छोड़ने की सलाह दी है। मतलब साफ है कि अमेरिका को इस बात का अहसास हो गया है कि आज की तारीख में पाकिस्तान कहां खड़ा है और उसकी औकात क्या है? पाकिस्तान का चीन की गोद में जा बैठना भी अमेरिका को फूटी आंखों नहीं सुहा रहा। अफगानिस्तान से बाहर निकलने के बाद अमेरिका को पाकिस्तान की कोई जरूरत नहीं रह गई है, जबकि चीन के खिलाफ वैश्विक मोर्चाबंदी के लिए अमेरिका को भारत की ज्यादा जरूरत है। जाहिर है कि लॉरा ने यह पोस्ट बिना सोचे समझे नहीं की होगी। भारत पाक के बीच जो चल रहा है, हालात उसी ओर संकेत कर रहे हैं, जिसका इशारा लॉरा ने अपने एक्स पोस्ट में किया है। हर भारतीय चाहेगा कि 'इंडिया मस्ट विन।'

आतंकवाद के कारण सार्क देशों में बढ़ी दूरियां

भारत और पाकिस्तान के आपसी तनाव, आतंकवाद और क्षेत्रीय चालाकियों ने दक्षेश देशों के गठबंधन की कमर तोड़ दी। इसके कई सम्मेलन हुए थे 2014 से पहले। सभी देशों ने मेजबानी भी पूरी गर्मजोशी से की। तनाव व आपसी मतभेद ने सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक और कूटनीतिक स्तर पर ज्यादा भेद पैदा कर दिया। भारत के समावेशी संस्कृति को इससे बहुत धक्का लगा क्योंकि पाकिस्तान के मंसूबे कभी सेतु के लिए आगे आये ही नहीं और न ही जाहिर हुए। ऐसे में कश्मीर एक तरह से सार्क देशों को एकजुट होने में बहुत व्यापक स्तर पर असर डाला।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर हैं।

सार्क का गठन बहुत ही अच्छे उद्देश्य से किया गया था। इसे दक्षेस के नाम से बहुत प्रसिद्धि मिली और इसके 7 स्थाई सदस्य देशों की मंशा थी कि साऊथ एशिया के हम सभी देश एक साथ प्रगति करेंगे। इसके मुख्यालय और सभी सदस्य देशों में मैत्री, विकास, शांति के लिए इसका निर्माण किया गया था। सदस्य देशों के लिए एक साथ आना कोई चुनौती नहीं थी बल्कि सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक व जलवायु संबंधी सुधार के लिए सभी देशों के आम सहमति से व्यापार व साझा विस्तार के लिए एक अवसर यह संगठन प्रदान करने वाला प्लेटफ़ॉर्म बन रहा था लेकिन इसे बहुत लम्बे अरसे से जो साझे विकास करने के लिए प्रयत्न करना था, उसमें अब ग्रहण लग सा गया है। इसके पीछे सबसे ज्यादा किसी समस्या ने विघ्न पैदा किया है, तो वह है आतंकवाद।

भारत और पाकिस्तान के आपसी तनाव, आतंकवाद और क्षेत्रीय चालाकियों ने दक्षेश देशों के गठबंधन की कमर तोड़ दी। इसके कई सम्मेलन हुए थे 2014 से पहले। सभी देशों ने मेजबानी भी पूरी गर्मजोशी से की। तनाव व आपसी मतभेद ने सामाजिक, आर्थिक, राजनितिक और कूटनीतिक स्तर पर ज्यादा भेद पैदा कर दिया। भारत के समावेशी संस्कृति को इससे बहुत धक्का लगा क्योंकि पाकिस्तान के मंसूबे कभी सेतु के लिए आगे आये ही नहीं और न ही जाहिर हुए। ऐसे में कश्मीर एक तरह से सार्क देशों को एकजुट होने में बहुत व्यापक स्तर पर असर डाला। पाकिस्तान का यद्यपि कोई अधिकार ही नहीं है जम्मू और कश्मीर पर लेकिन अपने स्तर पर और संयुक्त राष्ट्र में विवाद का हवाला देकर उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो भारत के बारे में दुष्प्रचार किया उसने भारतीय छवि को ख़राब किया और सार्क की गतिशीलता व उसके मजबूती को ज्यादा हानि पहुँचाया।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सार्क प्रोग्रामिंग समिति के 60वें सत्र का आयोजन हुआ। महत्वपूर्ण बात यह है कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन-सार्क की प्रोग्रामिंग समिति के इस 60वें सत्र में बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के विदेश मंत्रालयों के संयुक्त सचिव व महानिदेशक स्तर के सार्क सदस्य जिन मुद्दों पर एकमत हुए हैं, उसमें देश के बॉर्डर को लेकर होने वाली समस्याएं बहुत अहम् हैं, उसे केंद्र में रखकर बातें होनी चाहिए, उस पर भी कोई गंभीर पक्ष सामने नहीं आया। नेपाल के विदेश सचिव और सार्क स्थायी समिति के अध्यक्ष महामहिम अमृत बहादुर राय ने जरूर यह कहा कि सार्क तंत्र को पुनर्जीवित करने और क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करने की तत्काल आवश्यकता है। सार्क चार्टर और उसके उद्देश्यों के प्रति नेपाल की दृढ़ प्रतिबद्धता रही है क्षेत्रीय प्रक्रिया में गति बहाल करने के लिए उन्नीसवें सार्क शिखर सम्मेलन और अन्य प्रमुख तंत्रों को आयोजित करने के महत्व को हम भूलते जा रहे हैं, उसे पुनः बहल करना ही होगा। महामहिम मोहम्मद गुलाम सरवर, सार्क के महासचिव का सार्क शिखर सम्मेलन की ओर ले जाने वाले उच्च-स्तरीय जुड़ाव को बहाल करने के लिए रचनात्मक रूप से जुड़ने का आग्रह हो सकता है आने वाले समय में सार्क शिखर सम्मेलन के लिए राह खोले लेकिन सार्क देशों के नेतृत्व जब तक आपसी रायसुमारी नहीं करते, ऐसे सम्मेलन के लिए एकजुट नहीं होते, तब तक यह आग्रह कोई स्वरूप पाएगा, यह कहना मुश्किल है। सार्क देशों के इस संगठन द्वारा उभरती क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए नए सिरे से प्रयास करने पर जोर देने के लिए समय समय पर जितने भी दक्षेश समर्थकों ने जोर लगाए, उसके भी आजतक परिणाम कहाँ सामने आए। निश्चय ही आतंकवाद व अपनी-अपनी डफली व अपने-अपने राग ने सार्क की यह हालत बना रखी है वरना एक समय था कि वैश्विक स्तर पर जो सांगठनिक चेतना के साथ देशों के समूह आगे बढ़ रहे थे, उसमें सार्क की गणना महत्वपूर्ण उभरते हुए संगठन के रूप में हुआ करती थी।

इस साल 2025 के लिए सार्क सचिवालय में जो यह बैठक हुई उसमें विशेष निकायों, क्षेत्रीय केंद्रों के लिए बजट, नए कार्यक्रमों पर विचार और अनुमोदन, प्रमुख सार्क संस्थाओं जिसमें साऊथ एशियन यूनिवर्सिटी जैसी महत्वपूर्ण संस्था के प्रगति पर बहुत ही अच्छे मन से विचार हुए हैं। निश्चय ही इस विशेष बैठक में साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के प्रेसीडेंट प्रो। आर के अग्रवाल भी हिस्सा लिए हैं और दिल्ली में चल रहे इस संस्थान के वैश्विक अकादमिक उपस्थिति को महसूस कराए हैं। सार्क देशों के बीच मतभेद की वजह से विगत वर्षों में इस विश्वविद्यालय को जितनी प्रगति मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। अब जब से प्रो। अग्रवाल आए हैं उसकी गतिविधियाँ चर्चा में हैं और विश्वविद्यालय में रौनक आ सकी है।

सार्क खाद्य सुरक्षा, आर्थिक सहयोग, व्यापार, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी उन्मूलन और सामाजिक विकास पर काम करता है। यह क्षेत्रों में प्रगति का आकलन करने व भविष्य की सार्क बैठकों के आयोजन और 2025 के लिए सार्क गतिविधियों से संबंधित मामलों पर विशेष चर्चा हुई है, यह तो तात्कालिक रूप से ठीक है लेकिन दृढ व स्थायी सामूहिक कदम की आवश्यकता है इस पर सभी देशों को एकमत होने का संयोग कब बनेगा, यह आज भी कहना आसान नहीं है।

वस्तुस्थितियों की यदि विवेचना की जाए तो यही लगता है की सार्क देशों में मानवाधिकारों का हनन व्यापक पैमाने पर हो रहा है। किसी भी देश में शांति, विकास व समृद्धि के मार्ग खोजने वाले सार्क देश अपने नागरिकों के हित को सुरक्षित करने में अक्षम से हो रहे हैं क्योंकि व्यक्तिगत राज्यों की महत्वाकांक्षाएं साथ-साथ चलने व साथ-साथ प्रगति की राह ढूंढने में सबसे बड़ी बाधा हैं। पाकिस्तान, श्रीलंका व बांग्लादेश में इंसान गरीबी व भुखमरी का शिकार इस कदर हुआ है कि असंतोष व प्रतिरोध विगत पांच वर्षों में व्यापक पैमाने पर देखने को मिल रहा है। भारत यदि अपने नागरिकों के लिए सक्षम संसाधन एकत्रित करके विकसित देश बनने की प्रतिस्पर्धा में स्वयं को सम्मिलित कर रहा है तो पडोसी मुल्क इसे आगे बढ़ने नहीं देना चाहते। कश्मीर में की गयी आतंकवादी घटना इसका प्रमाण है।

यह केवल आतंकवादी घटना नहीं है अपितु भारत की नरेंद्र मोदी सरकार को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश है। जिस देश में गरीबी व भुखमरी चरम पर हो, उस देश के विदेश मंत्रालय व सेना प्रमुख युद्ध की धमकियाँ दे रहे हैं। भारत में पर्यटन क्षेत्रों में पहुंचे शैलानियों को धर्म पूछकर उन्हें मौत की नींद सुलाने व वीभत्स तांडव करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे कृत्य सार्क देशों को कभी भी एकजुट होकर काम करने का अवसर नहीं प्रदान कर सकते। ऐसे कृत्य केवल उलझने, तनाव, विद्वेष व संसय पैदाकर शांति को भंग कर सकते हैं।

आतंकवाद, तनाव, व बॉर्डर एरिया के संकट से बढती सार्क देशों की दूरी सार्क के भविष्य के लिए खतरा है। यह खतरा साउथ एशियन यूनिवर्सिटी जैसे प्रकल्प के लिए है जिससे हम अच्छे मानव संसाधन तैयार करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रकट कर चुके हैं। इस संकट को चुनौती के रूप में यदि सार्क सदस्य देश नहीं लेंगे तो सार्क कभी एकजुट हो ही नहीं सकेगा। भारत की अगुआई में सार्क के बहुत से उद्देश्यों की पूर्ति हुई है, इसे पूरा विश्व जानता है लेकिन यदि भारत में ही अस्थिरता पैदा करेंगे पडोसी देश और मित्र-धर्म नहीं निभाएंगे तो निश्चय ही इसमें साउथ एशिया के समस्त देशों की हानि है। आवश्यकता इस बात की है की सार्क देशों के सेतु के लिए पुनः सार्क समिट हो और सभी इसके समृद्धि व विकास के बारे में एकमत होने के लिए बात करें। संवाद से ही कोई राह शायद निकल आए। भारत द्वारा पहलगाम के बाद आतंक के खिलाफ की गई कार्रवाई स्थाई शांति के लिए है लेकिन यदि पाकिस्तान इस बात को समझकर आतंक के खिलाफ कार्य करे तो सार्क बचेगा। लेकिन जिस प्रकार से पाकिस्तान का रुख है उससे यह लगता नहीं कि वह सार्क को आगे फलने-फूलने देगा और उसको जीवन दे सकेगा।

'सिंदूर' शक्ति का प्रतीक, जहां शक्ति है राघव, वहीं विजय

दृष्टिकोण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भारत का 'ऑपरेशन सिंदूर' पाकिस्तान पर पूरा हो चुका है। परिणाम दुनिया के सामने हैं। इसी के साथ कवि निराला की लिखी कविता 'राम की शक्ति पूजा' के एक-एक शब्द कानों में गूंज रहे हैं। वस्तुतः 312 पंक्तियों की ये कविता अपने युगीन-चेतना व आत्मसंघर्ष का मनोवैज्ञानिक धरातल पर बड़ा ही प्रभावशाली चित्र प्रस्तुत करती है, लेकिन यह साथ में बता देती है कि जहां शक्ति है, वहीं विजय सदियों से रहती आई है। श्रीराम को भी विजय के लिए शक्ति की आराधना करनी पड़ी। वे रावण जैसे लम्पट, अधर्मी और अनंत शक्ति सम्पन्न राक्षसराज पर विजय पाने में तब तक समर्थ नहीं होते जब तक कि श्रीराम 'शक्ति' की आराधना नहीं करते हैं।

'राम की शक्ति पूजा' की अंतिम पंक्तियों पर गहराई से विचार करिए;

'साधु, साधु, साधक धीर, धर्म-धन धन्य राम !'
कह, लिया भगवती ने राघव का हस्त थाम।
देखा राम ने, सामने श्री दुर्गा, भास्वर
वामपद असुर स्कन्ध पर, रहा दक्षिण हरि पर।
ज्योतिर्मय रूप, हस्त दश विविध अस्त्र सज्जित,
मन्द स्मित मुख, लख हुई विश्व की श्री लज्जित।
हैं दक्षिण में लक्ष्मी, सरस्वती वाम भाग,
दक्षिण गणेश, कार्तिक बायें रणरंग राग,
मस्तक पर शंकर! पदपद्मों पर श्रद्धाभर
श्री राघव हुए प्रणत मन्द स्वरवन्दन कर।

कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' इस कविता में कहते हैं, जैसे ही श्रीराम अपने कमल के समान (राजीव नयन) नेत्रों में दायीं आंख निकाल कर 'भगवती शक्ति' को समर्पित करने के लिए आगे हाथ बढ़ाते हैं, तभी विद्युत् वेग से तत्क्षण देवी का वहां पर अभ्युदय हुआ। उन्होंने तुरंत राम का हस्त थाम लिया। सामने माँ दुर्गा अपने पूरे स्वरूप एवं श्रृंगार में भास्वर थी। उन्होंने राम को आशीर्वाद दिया-

'होगी जय, होगी जय, हे पुरूषोत्तम नवीन।'
कह महाशक्ति राम के वदन में हुई लीन।

यहाँ पर 'निराला' की शब्द रचना और उसके मनोविज्ञान के व्यापक अर्थ हैं, पर सरल व्यंजना जो आज समझ आती है वह यही है कि देवी 'शक्ति स्वरूपा' ने रावण को भी उसकी तपस्या के फलस्वरूप एक स्थान दिया था, पर यहाँ तो वह स्वयं ही 'राम' के हृदयांक में समाहित हो जाती हैं। इसके साथ ही जिन देवताओं का वर्णन कवि 'निराला' इस कविता में कर रहे हैं, उनमें लक्ष्मी, सरस्वती, गणेश, कार्तिक और स्वयं महाकाल जो कालों के भी काल हैं वे भगवान शंकर का स्मरण है। कविता की अंतिम पंक्तियों में वे कहते हैं कि 'शक्ति' जब प्रसन्न होती है और किसी के पास आती है, तो वह अकेली नहीं आती, उनके साथ यह देवतागण भी साथ रहते हैं। फिर हिन्दू धर्म में हर देवता की अपनी विशेषता है। यथा; 'लक्ष्मी'- धन की देवी, 'सरस्वती'- ज्ञान की देवी, 'गणेश'- बुद्धि के दाता, 'कार्तिकेय'- निर्भीकता, प्रखरता, त्याग के देव और स्वयं भगवान 'शिव'- जो संपूर्ण ब्रह्माण के सामर्थ्य को अपने में धारण करने वाले देव हैं। वे आदि हैं, अनादि हैं, अनन्त हैं, प्रलय भी हैं और सृष्टि भी हैं। तात्पर्य शर्व शक्तिमान वे हैं। यानी यहां 'शक्ति' होगी, वहां यह सभी देवगण भी होंगी ही।

निराला अपनी इस कविता में एक पंक्ति ओर लिखते हैं-

'आया न समझ में यह दैवी विधान।
रावण, अधर्मरत भी, अपना, मैं हुआ अपर,
यह रहा, शक्ति का खेल समर, शंकर, शंकर!
करता मैं योजित बार-बार शर-निकर निशित,
हो सकती जिनसे यह संसृति सम्पूर्ण विजित,
जो तेजः पुंज, सृष्टि की रक्षा का विचार,
हैं जिसमें निहित पतन घातक संस्कृति अपार।'

यानी राम यहां रावण और स्वयं में तुलना कर रहे हैं, दोनों के कार्यों के अंतर को समझा रहे हैं, वे यहां प्रश्न भी यह कह कर खड़ा करते हैं कि 'अन्याय जिधर, हैं उधर शक्ति।' यह बात उन्हें समझ नहीं आ रही है कि जहां अन्याय और अत्याचार है वहां 'शक्ति' कैसे साथ में खड़ी हो सकती है! लेकिन यही तो सदियों से चला आ रहा सुर-असुरों का युद्ध है। 'शक्ति' दोनों ओर खड़ी है निरपेक्ष भाव से जो जितनी अधिक आराधना 'शक्ति' की करेगा, यह 'शक्ति' सदियों से उसी के पास रहती आई है, क्योंकि 'शक्ति' कभी अच्छा और बुरे में भेद नहीं करती। 'शक्ति' के लिए सभी समान हैं, इसलिए जो 'शक्ति' पहले रावण के साथ रहती है, प्रयत्न पूर्वक जब श्रीराम उसकी आराधना और अधिक उच्च स्तर पर करते हैं, यहां तक कि अपने 'राजीव नयनों' को भी उन्हें अर्पित कर देने के लिए उठ खड़े होते हैं, तब फिर यह 'शक्ति' रावण का साथ छोड़ राम के साथ खड़ी हुई दिखाई देती है और तब यही निष्कर्ष निकलता है;

'होगी जय, होगी जय, हे पुरूषोत्तम नवीन।'

'राम की शक्तिपूजा' में राम सत् के प्रतीक हैं तो रावण असत् का सूचक। राम और रावण का युद्ध असत् के विरुद्ध सत् का संघर्ष है। रावण ने सीता (अच्छाियियों) का हरण किया है। राम उसकी मुक्ति के लिए लड़ रहे हैं, वास्तव में सीता की मुक्ति का प्रयास सत् की पुर्नस्थापना का कार्य है। राम के साथ जाम्बवान, सुग्रीव, हनुमान, अंगद आदि हैं। ये सभी सत् की शक्तियों के द्योतक हैं। असत् पक्ष का परित्याग कर राम के सत् पक्ष का साथ निभाने आया, विभीषण इस संघर्ष को बल प्रदान करने आया है।कभी-कभी ऐसा होता है कि सत् पक्ष का सहयोग असत् पक्ष को मिल जाता है। महाशक्ति का आरम्भ में रावण के पक्ष में खड़ा होना इसका उदाहरण है। राम इससे ही सर्वाधिक आहत भी हैं। किन्तु ऐसा सदा नहीं रहता है। आज के समाज में कुछ दुष्ट व्यक्तियों को भले ही 'सज्जन शक्ति' का सहयोग मिल जाता हो, परन्तु वह अंत समय तक नहीं रहता है। सत् और असत् के इस संघर्ष में अन्त में विजय सत् पक्ष की ही होती है।

यही कारण है कि इजराइल, रूस, जापान से लेकर अनेक देश खुलकर भारत के समर्थन में खड़े हैं, तो अनेक ऐसे भी हैं जो कुछ तटस्थ हैं, कुछ वे भी हैं, जो खुलकर कुछ भी बोलना नहीं चाहते। जीत यहां भारत रूपी 'राम' की होनी है, क्योंकि (शक्ति) को जो सबसे प्रिय है, वह सिंदूर आज भारत के पास है, सदियों से यही सिंदूर अपने पौरुष की रक्षा करता आया है। शक्ति के लिए आज यही सिंदूर 'राजीव लोचन' (भगवान श्रीराम की आंख) हो गया है। इस सिंदूर में त्याग है, समर्पण है, सौन्दर्य है और इससे भी बढ़कर वह उदीप्तमान आभा है जिसके प्रकाश से आच्छादित एक सुहागिन 'मां शक्ति' की आराधना अपने जीवन मे नित्यप्रति कर रही है। इसी 'शक्ति' को दुष्ट पाकिस्तान रूपी रावण ने आज ललकारा है। अब 'शक्ति 'कैसे छोड़ दे उसे अब पाकिस्तान का सर्वनाश तो होना ही है।

साथ ही रावण का जैसा स्वभाव है, जिसे वो अपना कहता है, उसे ही सबसे पहले मारता और मरवाता है, फिर भी जो जाने-अनजाने रावण (पाकिस्तान) को अपना मान रहे हैं, उन्हें यह तथ्य जरूर समझ लेना चाहिए कि वो 'मुहाजिर' के नाम पर लोगों को मार रहा है। 'दुनिया में जितने मुसलमान पाकिस्तान ने मारे, उतने किसी ने नहीं, पाकिस्तानी फौज ने एक रात में फिलीस्तीन जाकर 10 हजार मुसलमानों को मार दिया था। 02 लाख बलूचिस्तान में ये मुसलमान मार चुके। बांग्लादेश में 30 लाख मुस्लिम लोगों को मार चुके और अफगानिस्तान में 04 लाख मुसलमानों को पाकिस्तान अब तक मार चुका है।' (,बलूचिस्तान की निर्वासित प्रधानमंत्री नायल कादरी)।

यदि फिर भी किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा तो कुछ किया नहीं जा सकता है! उनकी नियती भी उधर से न सही इधर से सही 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे प्रयोगों के तहत प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज्बुल मुजाहिदीन एवं अन्य भारत विरोधियों के आतंकी ठिकानों से जुड़कर अपनी मौत को आमंत्रण देना, बना रहेगा। उन्हें इसी तरह भारत द्वारा उड़ाया जाता रहेगा। यहां सनातन हिन्दू स्त्री के सुहाग का प्रतीक 'सिंदूर' बार-बार धूल के रूप में आसुरी प्रवृत्तियों के शरीर पर चारों ओर ऐसे ही जैसा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद का दृश्य दिखाई दे रहा था, ठीक वैसे ही हवा में सर्वत्र उड़ता रहेगा।

65 वर्षों का ऐतिहासिक गर्वीला सफर

अभ्यास मंडल

विजय रांगणेकर

इंदौर का अभ्यास मंडल प्रत्येक वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी अपने वार्षिक व्याख्यान माला के 64 वे संस्करण का आयोजन कर रही है। किसी भी संस्था के लिए बेहद गर्वीले पल होते हैं जब उसके प्रत्येक कार्यक्रम और खासकर वार्षिक व्याख्यान माला के आयोजन में श्रोताओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति कार्यक्रम की लोकप्रियता और सार्थकता को रेखांकित करे। विभिन्न क्षेत्रों के स्थापित विशिष्ट व्यक्तित्वों को इतने वर्षों तक व्याख्यान के माध्यम से नागरिकों से रूबरू कराना वाकई साहस का काम है। अभ्यास मंडल द्वारा व्याख्यान जैसे उपेक्षित और नीरस कार्यक्रम को छः दशकों से अधिक समय तक रूचिकर बनाये रखना सर्वथा विलक्षण और अनोखी घटना है।

आम तौर पर लोग संस्थाएं बनाते हैं अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं के लिए. शोहरत, धन या आभा मंडल के लिए। लेकिन अभ्यास मंडल में किसी की दुकानदारी नहीं है. यह संस्था लोगों के लिए एक मंच हैं जहाँ वे अपने शहर, समाज या देश की बेहतरी के लिए चर्चा कर सकते हैं, पर्यावरण पर भाषण झाड़ने और ज्ञान बाँटने के लिए नहीं। अभ्यास मंडल के सदस्य कान्ह (खान) नदी की सफाई के लिए झाड़ू- टोकरी थाम सकते हैं, यातायात सुधार के लिए चौराहों-चौराहों पर खड़े होकर ट्रैफिक हवलदार की मदद कर सकते हैं और इसके 'ब्रेन स्टॉर्मिंग' कार्यक्रमों में आकर अपने सुझाव सही लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

विधि विशेषज्ञ, पत्रकार, खिलाड़ी, खेल विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, कूटनीतिज्ञ, उद्योगपति, विचारक, नौकरशाह, बैंकर और विद्यार्थी भी अभ्यास मंडल से जुड़े हैं. इसकी वार्षिक व्याख्यानमाला में मोरारजी देसाई, चंद्रशेखर, इंद्रकुमार गुजराल चीफ जस्टिस आर सी लाहोटी, जस्टिस धर्माधिकारी, जस्टिस तारकुंडे, जस्टिस वर्मा, और मधु लिमये से लेकर इंद्रजीत गुप्ता तक, अतुल अनजान से लेकर सुभाषिनी अली तक, योगेन्द्र यादव से लेकर प्रशांत भूषण तक, जोगिन्दर सिंह से लेकर जी. पार्थसारथी तक सैकड़ों विशेषज्ञ आ चुके है। बाबा आमटे, जनरल दातार, एडमिरल विष्णु भागवत, सुन्दरलाल बहुगुणा, राजेश बादल, कमलेश्वर से लेकर शिवमंगल सिंह सुमन तक, विजय बहादुर सिंह से लेकर बालकवि बैरागी तक. भारत के किसी भी क्षेत्र का, कोई भी विशेषज्ञ कभी न कभी तो अभ्यास मंडल आया ही है!

इस संस्था ने इंदौर के मास्टर प्लान बनवाने में, मध्यप्रदेश के लिए केंद्रीय वित्त आयोग से लड़कर भरपूर राशि की मदद दिलवाने, पर्यावरण - यातायात - सौहार्द की बेहतरी के अनेक काम किये हैं। खास बात यह है कि 65 वर्ष पुरानी यह संस्था न तो कोई सरकारी मदद नहीं लेती है और न ही उसने कोई सम्पत्ति खरीदी है। अभ्यास मंडल एक वैचारिक संस्था है जो 'अपनी शिक्षा, व्यवसाय, नौकरी के साथ कुछ समय अभ्यास मंडल के माध्यम से सामाजिक कार्य में दो' यह उद्देश्य लेकर प्रत्येक वर्ष 30 कार्यक्रम ओर व्याख्यानमाला करती हैं।

अभ्यास मंडल द्वारा युवाओं के नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने और उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के उद्देश्य से 'युवा उड़ान' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। यह कार्यशाला विशेष रूप से युवाओं द्वारा युवाओं के लिए तैयार की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य युवा पीढ़ी में सामाजिक जागरूकता, नागरिक जिम्मेदारी और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देना था। इसमें विभिन्न सामयिक और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिनमें 'मेरा शहर, शहर विकास में मेरी भूमिका', 'राष्ट्र चिंतन', 'नागरिक बोध', 'साइबर सुरक्षा', और 'नशा मुक्ति' जैसे विषय शामिल थे। इन विषयों पर गहन जानकारी देने के लिए विशेषज्ञ वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

सामाजिक सरोकारों और शहर की समस्याओं के प्रति संवेदनशील इस संस्था ने जन जागरूकता अभियान के लिए हमेशा ही सक्रियता से कार्य किया है। नर्मदा आंदोलन से लेकर कान्ह नदी के पुनरुद्धार तक फैली 65 वर्षों की पृष्ठभूमि में मुकुन्द कुलकर्णी और शिवाजी मोहिते जैसे अनेक व्यक्तियों ने अपने जीवन के बेहतरीन साल इस संस्था के जीवंत और अर्थपूर्ण बने रहने के लिए दिये है। जिस तरह इस संस्था में नियत समय पर युवाओं के हाथ में कमान देने की परंपरा है, निश्चित रूप से यह संस्था अपना शतक चुनौतीपूर्ण अंदाज में पूरा करेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मुहावरे और नेताजी

मुहावरे यूं तो लक्षणा व्यंजना द्वारा किसी अप्रत्यक्ष अर्थ को व्यक्त करने के लिए होते हैं किन्तु कुछ मुहावरों को जानकर ऐसा लगता है जैसे ये हमारे नेताजी के लिए ही बने हैं ।यदि नेताजी न होते तो शायद इन मुहावरों के होने न होने का कोई औचित्य ही नहीं होता।जैसे थूक कर चाटना। जब से राजनीति में आए हैं अपनी कही बातों से चाहे जब पलटकर सबको अचंभित कर देते हैं। कब किसे अच्छा कह दें कब बुरा या कब किसे दोस्त बना लें और कब दुश्मन, पता ही नहीं चलता। जिस पर थूकते हैं उसे दो दिन बाद गले भी लगा लेते हैं। उनके क्रियाकलापों से विरोधी हां या प्रशंसक सभी हतप्रभ रह जाते हैं। हालत ये हो गई है कि कुछ तो अब ज़ुबान पर उनका नाम आते ही थूक देते हैं। मानो जीभ कड़वी हो गई हो या जीभ पर ज़हर आ गया हो।

होने को नेताजी की टक्कर के एक से एक पलटीमार हैं किन्तु उनके जैसे सौम्य व्यक्तित्व और वक्तृत्व वाला एक भी नहीं है। इसी से उनका इतना नाम है। वे जिससे टक्कर लेते हैं उसे हवा में उड़ा देते हैं या जिसमें टक्कर देते हैं उसका धरती आसमान में कहीं नाम निशान नहीं मिलता। न कोई उनके सामने आना चाहता है न कोई उनसे दो दो हाथ करना चाहता है। उनके सामने पड़ने से ही विरोधियों के हाथ पांव फूल जाते हैं और उनमें से कुछ के तो हाथ पांव ठंडे भी हो जाते हैं। उनकी चमक -धमक ही कुछ ऐसी है।नेताजी हवा बांधने में जितने माहिर हैं उतने ही हवा बनाने में, भले ही उनकी सारी बातें हवा हवाई हों । उनकी असल बात की तो किसी को हवा भी नहीं लगती। कई लोग उनके प्रताप से इधर-उधर की हवा खा रहे हैं। या हवा खाने को मजबूर हो गये हैं।हांलाकि उनको किसी बात से कोई फर्क नहीं पड़ता।

वे जहां जहां जाते हैं उनका हाथ सदा ऊँचा रखते हैं । हज़ारों लाखों करोड़ों की योजनायें वे ऐसे ही छोड़ आते हैं। इसी वजह से हर जगह लोग उन्हें हाथों हाथ लेते हैं और उनके अच्छे-बुरे हर काम में हाथ बंटाने लगते हैं।

वे कब कहां किस मामले में क्या कर दें या किस मामले में क्या करवा दें कोई नहीं जानता। संस्कृत कवि ने सही कहा है-ब्रहमा न जानासि कुतौ मनुष्यः? कभी कभी तो लगता है कि वह कुछ करने के लिए अपने किसी साथी से बात करने के बजाय केवल हवा से बातें करते हैं। इसलिए हवाई जहाज़ और हवाई अड्डा दोनों ही उन्हें प्रिय हैं। इनकी मदद से वे जब चाहें तब हवा होने में देर नहीं लगती।

नेताजी का अपना नाम है अपना काम है अपना खेल है अपना जलवा है । खिलाड़ी भी उन पर बहुत हैं जो उनके इशारे पर चाहे जैसा खेल खेलने को तैयार रहते हैं। उनके मुक़ाबिल कोई नहीं। भूतो न भविष्यति यही उनका सूत्र है। उनके जैसा न उनसे पहले कोई हुआ और न उनके बाद कोई होगा यही घोषणा वह पत्थर पर लिख देना चाहते हैं ताकि सदियों तक उनकी स्मृतियां बनी रहें।

भारत सरकार की प्राकृतिक खेती योजना के लिए चुनौती

भारत सरकार ने परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) और अन्य पहलों के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राकृतिक खेती रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों पर जोर देती है। यह योजना देशी बीजों के उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य, और जैव विविधता के संरक्षण को प्राथमिकता देती है ताकि किसानों की आत्मनिर्भरता बढ़े और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो। देशी बीज, जो स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूलित हैं, इस योजना की रीढ़ हैं, क्योंकि वे रोग प्रतिरोधक क्षमता और पोषण मूल्य प्रदान करते हैं।

जीनोम संपादित चावल

निलेश देसाई

लेखक कृषि नीतियों के जानकार हैं।

भारत में चावल की जीनोम संपादित (जीनोम एडिटेड) किस्मों को मंजूरी देने की दिशा में बढ़ते कदम ने कृषि क्षेत्र में एक नई बहस को जन्म दिया है। यह तकनीक फसल सुधार और उत्पादन वृद्धि की संभावनाएं प्रस्तुत करती है, लेकिन भारत सरकार द्वारा संचालित परंपरागत कृषि विकास योजना (प्राकृतिक खेती) के सिद्धांतों के लिए गंभीर चुनौतियां भी खड़ी करती है। यह लेख भारत सरकार की प्राकृतिक खेती योजना के दृष्टिकोण से बीज संप्रभुता, देशी बीजों की शुद्धता, और जैव विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर इन चुनौतियों का विश्लेषण करता है।

भारत सरकार ने परंपरागत कृषि विकास योजना (PKVY) और अन्य पहलों के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्राकृतिक खेती रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के बिना टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों पर जोर देती है। यह योजना देशी बीजों के उपयोग, मिट्टी के स्वास्थ्य, और जैव विविधता के संरक्षण को प्राथमिकता देती है ताकि किसानों की आत्मनिर्भरता बढ़े और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो। देशी बीज, जो स्थानीय जलवायु और मिट्टी के लिए अनुकूलित हैं, इस योजना की रीढ़ हैं, क्योंकि वे रोग प्रतिरोधक क्षमता और पोषण मूल्य प्रदान करते हैं।

जीनोम संपादन: प्राकृतिक खेती के लिए चुनौतियां

जीनोम संपादन तकनीक, जो डीएनए में सटीक परिवर्तन कर फसलों की विशेषताओं को बदलती है, प्राकृतिक खेती योजना के लक्ष्यों के लिए कई स्तरों पर चुनौती पेश करती है-

1. बीज संप्रभुता पर खतरा

प्राकृतिक खेती योजना का एक प्रमुख उद्देश्य किसानों को बीज संप्रभुता प्रदान करना है, जिसके तहत वे अपने बीजों का उत्पादन, संरक्षण, और आदान-प्रदान स्वतंत्र रूप से कर सकें। हालांकि, जीनोम संपादित बीजों का विकास और

व्यावसायीकरण अक्सर बड़ी कृषि जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा नियंत्रित होता है, जो इन बीजों पर बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) जैसे पेटेंट लागू करती हैं। इससे किसानों को हर फसल चक्र के लिए नए बीज खरीदने पड़ सकते हैं, जो उनकी स्वायत्तता को कमजोर करता है।

प्राकृतिक खेती योजना के तहत सरकार द्वारा समर्थित बीज संरक्षण और सामुदायिक बीज बैंकों के प्रयास इस व्यावसायिक मॉडल के सामने कमजोर पड़ सकते हैं। जीनोम संपादित बीजों पर निर्भरता न केवल किसानों की लागत बढ़ाती है, बल्कि उन्हें बाजार की ताकतों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है, जो प्राकृतिक खेती के आत्मनिर्भरता के सिद्धांत के विपरीत है।

2. देशी बीजों की शुद्धता पर संकट

जीनोम संपादित चावल की खेती से देशी चावल की किस्मों में आनुवंशिक प्रदूषण का खतरा बढ़ जाता है। परागण के माध्यम से, संपादित बीजों के जीन अनजाने में पड़ोसी खेतों की देशी किस्मों में स्थानांतरित हो सकते हैं। यह देशी बीजों की आनुवंशिक शुद्धता को खतरे में डालता है, जो प्राकृतिक खेती योजना के लिए महत्वपूर्ण है।

प्राकृतिक खेती में बीजों की शुद्धता मिट्टी के सूक्ष्मजीवों और अन्य जैविक घटकों के साथ उनके जटिल अंतःक्रिया को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। यदि देशी बीजों की आनुवंशिक संरचना बदलती है, तो यह प्राकृतिक खेती के पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर सकता है। इसके अलावा, प्राकृतिक खेती योजना के तहत जैविक प्रमाणीकरण के लिए गैर-जीएमओ स्थिति अनिवार्य है, और जीन प्रवाह इस प्रमाणीकरण को खतरे में डाल सकता है, जिससे जैविक उत्पादों का बाजार प्रभावित हो सकता है।

3. जैव विविधता का नुकसान

भारत चावल की समृद्ध जैव विविधता का केंद्र है, जिसमें हजारों देशी किस्में शामिल हैं जो विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों के लिए अनुकूलित हैं। प्राकृतिक खेती योजना इन किस्मों के संरक्षण और उपयोग को प्रोत्साहित करती है ताकि कृषि पारिस्थितिकी तंत्र लचीला और टिकाऊ बना रहे। हालांकि, यदि जीनोम संपादित उच्च उपज वाली किस्में व्यापक रूप से अपनाई जाती हैं, तो किसान इन व्यावसायिक बीजों की ओर आकर्षित हो सकते हैं, जिससे देशी किस्मों की खेती कम हो सकती है।

जैव विविधता का नुकसान फसलों को बीमारियों, कीटों, और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाता है, जो प्राकृतिक खेती योजना के दीर्घकालिक लक्ष्यों को कमजोर करता है। योजना के तहत जैव विविधता को बढ़ावा देना मिट्टी के स्वास्थ्य, कीट नियंत्रण, और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए आवश्यक है, और देशी बीज इस जैव विविधता का आधार हैं।

चावल की जीनोम संपादित किस्में खाद्य सुरक्षा और फसल सुधार के लिए नई संभावनाएं खोलती हैं, लेकिन ये भारत सरकार की प्राकृतिक खेती योजना के सिद्धांतों के साथ गहरे विरोधाभास में हैं। बीज संप्रभुता का क्षरण, देशी बीजों की आनुवंशिक शुद्धता पर खतरा, और जैव विविधता का नुकसान ऐसे गंभीर मुद्दे हैं जिन पर नीति निर्माताओं, वैज्ञानिकों, और किसानों को मिलकर विचार करना होगा।

प्राकृतिक खेती योजना के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ऐसी नीतियां आवश्यक हैं जो उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ किसानों की स्वायत्तता, देशी बीजों के संरक्षण, और जैव विविधता की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। जीनोम संपादन जैसी तकनीकों का मूल्यांकन सावधानीपूर्वक और समग्र दृष्टिकोण के साथ किया जाना चाहिए, जिसमें प्राकृतिक खेती के महत्व और भारत की समृद्ध कृषि विरासत को प्राथमिकता दी जाए। एक टिकाऊ और समावेशी कृषि भविष्य के लिए हमें नवाचार और स्थिरता के बीच संतुलन बनाना होगा, ताकि किसान सशक्त हों और हमारी कृषि परंपराएं सुरक्षित रहें।

युद्ध : साँप को अधमरा नहीं छोड़ें

अहिंसा और बड़प्पन ताकतवर का आभूषण होता है लेकिन पहलगाम की पाश्विक हरकत कतई क्षम्य नहीं थी । यह पहली बार नहीं है जब भारत पर इस्लामी आतंकवादियों ने हमला किया है। देश 2008 से 2025 तक के नौ हमलों को नहीं भूला है, और ना ही भूलेगा । इस बार धर्म पूछ कर गोली मारी गई है। जाहिर है देश में गुस्सा बहुत ज्यादा है। सत्ता किसीकी भी होती देश की जनता युद्ध जैसी जवाबी कार्रवाई की मांग करती। सरकार भाजपा की है तो कठोर कदम की उम्मीद बन जाती है। खुद मोदी पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब देने की बात कहते रहे हैं। आज मौका आ गया तो सेना ने हमारे शब्दों का मान रखा है। हालाँकि मीडिया बता रहा है कि चार दिन के युद्ध में ही पाकिस्तान घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इसकी संभावना कम है । भारत हर दृष्टि से पाकिस्तान की तुलना में अधिक शक्तिशाली और सक्षम है। अच्छी बात यह है कि भारत के पक्ष में सहानुभूति रखने वाले अनेक देशों का समर्थन भी है। आतंकियों के खिलाफ पूरा देश इस समय एकजुट है। युद्ध के लिए जो भी भौतिक भौतिक जरूरतें हैं वह सब हमारे पक्ष में है। पाक अधिकृत कश्मीर तो लिया ही जा सकता है ।

सामयिक

जवाहर चौधरी

लेखक स्तंभकार हैं।

उनके शब्द थे कि तुझे नहीं मारेंगे, तू जा कर मोदी को बता देना! ये शब्द भारत के स्वाभिमान को सीधी चुनौती थे । इसलिए पूरा देश चाह रहा था कि मुँह तोड़ जवाब दिया जाना जरूरी है । 6 और 7 मई की रात हमारी सेनाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने नष्ट कर दिए । निसंदेह देश का गौरव इससे बढ़ा है । कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने हमले का समर्थन किया है । लड़ाई शुरू हो चुकी है । शत्रु देश और दुनिया की प्रतिक्रिया युद्ध की दिशा और दशा तय करेगी । पाकिस्तान से समझदारी की उम्मीद करना बेमानी है । उसे चीन और तुर्किए के अलावा किसी देश से अब तक समर्थन और सहायता नहीं मिली है । हकीकत क्या है यह जल्द ही सामने आएगा । हमारी नीति शिक्षाएं कहती हैं कि शत्रु को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए । यह भी कहती हैं कि साँप को अधूरा मार कर छोड़ नहीं देना चाहिए ।

अहिंसा और बड़प्पन ताकतवर का आभूषण होता है लेकिन पहलगाम की पाश्विक हरकत कतई क्षम्य नहीं थी । यह पहली बार नहीं है जब भारत पर इस्लामी आतंकवादियों ने हमला किया है। देश 2008 से 2025 तक के नौ हमलों को नहीं भूला है, और ना ही भूलेगा । इस बार धर्म पूछ कर गोली मारी गई है। जाहिर है देश में गुस्सा बहुत ज्यादा है। सत्ता किसी की भी होती देश की जनता युद्ध जैसी जवाबी कार्रवाई की मांग करती। सरकार भाजपा की है तो कठोर कदम की उम्मीद बन जाती है। खुद मोदी पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब देने की बात कहते रहे हैं। आज मौका आ गया तो सेना ने हमारे शब्दों का मान रखा है। हालाँकि मीडिया बता रहा है कि चार दिन के युद्ध में ही पाकिस्तान घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इसकी संभावना कम है । भारत हर दृष्टि से पाकिस्तान की तुलना में अधिक शक्तिशाली और सक्षम है। अच्छी बात यह है कि भारत के पक्ष में सहानुभूति रखने वाले अनेक देशों का समर्थन भी है। आतंकियों के खिलाफ पूरा देश इस समय एकजुट है। युद्ध के लिए जो भी भौतिक भौतिक जरूरतें हैं वह सब हमारे पक्ष में है। पाक अधिकृत कश्मीर तो लिया ही जा सकता है ।

हमारी सेनाएं और सरकार बड़ी योजना पर काम कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर की सफल कार्रवाई से शत्रु का मनोबल टूटा है । सरकार के सामने कुछ चिंताएं भी रही हैं । बांग्लादेश के निर्माण के समय इंदिरा गांधी को जो देश मिला था वह आज के देश से भिन्न था। भारत की मुस्लिम आबादी में थोड़े बहुत अलगाववादी आजादी के समय से ही सक्रिय रहे हैं। बावजूद इसके कांग्रेस के साथ वे सुविधाजनक महसूस करते हैं। इंदिरा गांधी के साथ तब पूरा देश था, इसलिए उन्हें आंतरिक सुरक्षा या अव्यवस्था का इतना डर नहीं था। लेकिन वर्तमान सरकार के विभिन्न प्रसंगों पर समुदाय विशेष से अनुकूल नाते नहीं रहे हैं। देश

और समाज के व्यापक हित में सरकार को कठिन निर्णय भी लेना पड़े हैं। यह भी ध्यान रखना होगा कि देश में रोहिंग्या और अन्य घुसपैठियों की बड़ी संख्या मौजूद है। आज सरकार को आंतरिक सुरक्षा की एक वाजिब चिंता से भी गुजरना पड़ रहा है। यह एक बड़ी समस्या है।

वर्तमान समय में युद्ध मात्र दो देशों तक सीमित नहीं रह सकता है। ना ही यह अल्पकालिक रह पाता है। यूक्रेन और रूस के युद्ध को हम देख रहे हैं जो फरवरी दो हजार बाईस से लगातार चल रहा है। जीत हार किसी की भी हो लेकिन परिणाम दोनों देशों में तबाही छोड़ रहे हैं । युद्ध के बाद दोनों देशों को वापस सामान्य होने में दशकों लग जाएंगे। ताकतवर होने के बावजूद रूस में भी कम तबाही नहीं हुई है।

युद्ध शुरू हो चुका है, पाकिस्तान कोई बेजा हरकत करता है तो आगे भी वाजिब जवाब देना होगा । किंतु यह भी देखना होगा कि युद्ध केवल सैन्य तैयारी नहीं है जनता को भी तैयार रहना होता है। जान माल की हानि के लिए नागरिकों को तैयार रहना है। आधुनिक हथियारों की विनाशक क्षमता अधिक है। परमाणु हथियारों से विकिरण वर्षों तक बना रहता है। हिरोशिमा की भूमि अभी भी पूर्ण मुक्ति नहीं हुई है। अर्थव्यवस्था देश की रीड होती है। युद्ध इसे चौपट कर देता है। जिस पर्यावरण को लेकर हम चिंतित हैं वह भी नुकसान हो सकता है। आंतरिक सुरक्षा की समस्या इनमें सबसे बड़ी होती है, जिसे सरकार ने बहुत कुशलता से साध लिया है। पारस्परिक विश्वास, शांति और अर्थव्यवस्था को ठीक से बनाए रखने में हमें सफलता मिलेगी। हमें पूरी ताकत का इस्तेमाल करना जरूरी है। कूटनीति भी युद्ध का हिस्सा होता है। राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं और दुनिया जानती है कि पाकिस्तान टूट की कगार पर है। उसके चार टुकड़े होने जा रहे हैं। दुनिया को यह टूट भी देखने की उम्मीद है।

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती

मशहूर कविता की ये प्रेरणास्पद लाइन न जाने कितनी बार अलग-अलग प्रसंगों में दोहराई जा चुकी है। इससे हर बार लोगों को प्रेरणा देने का काम होता है। जब-जब विद्यार्थियों का उल्लेख इन पंक्तियों के जरिए किया गया, तब-तब उनका नैतिक रूप उभरकर सामने आया है। जब ये पंक्तियां किसी भाषण में शामिल होती हैं, तो संभवतः कोई भी विद्यार्थी ऐसा नहीं होगा जो प्रेरित होकर किसी भी तरह से बाद में फिर से उठ खड़ा न हुआ हो।

प्रेरणा

संजय तैलंग

(लेखक और स्तंभकार)

सोनलाल पागलों की कविता की पंक्तियां 'लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती और कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' बहुत ही प्रेरक हैं, कि लोगों के घरों से उबरने का काम कर रही हैं। असफलता से निराश बैठे जाने से कुछ हासिल नहीं हुआ, कविता की इस मर्म ने कितनों की अंधेरी जिंदगी में खुशियों के उजाले बनाए हैं, कहा नहीं जा सकता लेकिन भी होना चाहिए हार कर बैठने की बजाय निरंतर प्रयास करना ही इसका उद्देश्य है। अंत में कोशिश करें जीवन से एक दिन की सफलता निश्चित रूप से कदम से कदम मिलाकर। ये बात सिर्फ इंसानों पर ही लागू नहीं होती, मुकदमे के मामले में भी सौ प्रतिशत सत्य सिद्ध हो चुका है।

सबसे पहला उदाहरण चींटी का ही लें। वर्षा काल से पहले अपने परिवार के लिए भोजन के लिए संकट पैदा करें तो सभी ने उन्हें देखा होगा। चीटियाँ अपने वजन से कहीं अधिक वजनी खाना बनाती हैं अपने बिल तक की लंबी दूरी तय करती हैं। दीवारें चढ़ी हुई हैं। इस प्रयास में कई बार गिरती भी हैं लेकिन फिर खड़ी हो जाती हैं और खाना उठाकर बिल की ओर चल जाती हैं। यदि वे एक या दो बार रिले होने के बाद हार कर बैठ जाते हैं तो उनके बिलों में रेककाल में फांके की नौबत आ जाए। इसलिए वे होने के बाद भी प्रयास दर प्रयास करते रहते हैं और अंततः अपने उद्देश्य में सफल रहते हैं। यानी वर्षाकाल के लिए पूरे कुनबे का खाना पकाने की कंपनी की पेशकश की जाती है।

कविता की इन कविताओं से जुड़ी एक अनोखी घटना का मैं प्रत्यक्ष गवाह हूं। बात उन दिनों की है जब मोबाइल फोन नहीं आते थे। अन्य आँखों के

सामने गुजी वह सत्य घटना के चित्र बिरले ही होते हैं। मैं सुबह की सैर के दौरान कभी-कभी सात-आठ किमी दूर एक झील के किनारे तक जाता था, क्योंकि वहाँ प्रचुर पानी के साथ, अपार हरियाली और पक्षियों का रंग था और सुबह-सुबह मन को काफी सार्वभौमिकता मिलती थी। एक सुबह तालाब की पाल पर रेलिंग से टिक्कर अपार जल संपदा को निहारा जा रहा था, तभी अचानक कुछ बगलों का शोर दिया गया। समुद्र की दिशा में नज़र दौड़ाई तो तालाब के पानी के पास तीन बगुले नीचे दिखाई देते हैं। वे बिलास भर की एक मछली पकड़ में आ गए थे। मछली का शिकार करने से उनकी आवाज़ में जीत की खुशी साफ़ ज़ाहिर दे रही थी। मछली बगुलों की चोचों के प्रहार से आक्रामक उछल-उछल कर अपनी पीड़ा अनुभव कर रही थी। सर्वशक्तिमान की बात यह थी कि वह हमला करने के बाद भी जीवित था और मौत के मुंह में चला गया, उसके बाद भी उसे कोई पैसा नहीं मिला। जीवन भर वह लगातार संघर्ष कर रही थी।

आक्रामक बगुलों से ग्रैबी फिश ने ज़ीले हिट्स के बाद भी जीवन की आस नहीं छोड़ी थी । उनके जीवन का आधार तालाब का पानी करीब एक-डेढ़ मीटर दूर रहेगा। बगुले की चोंच के हर प्रहार के बाद वह पूरी तरह से पलटने की कोशिश करता है और पानी के थोड़ा करीब पहुंच जाता है । जीवन और मृत्यु के बीच का मीटर मीटर का वह फासला मछली के लिए डेढ़ सौ कोस से कम नहीं लग रहा था। लेकिन जीवन के लिए उसके प्रयास ने उसे धीरे-धीरे पानी के करीब पहुंचाया। अब उनके और पानी के बीच सिर्फ एक बिलास की दूरी रह गई थी। अंततः, बगुला के बढ़ते तट के बीच फिश ने जीवन के लिए पूरी तरह से विशेषज्ञता हासिल कर ली, और वह अंतिम प्रयास में भी सफल रही। अंतिम वस्तु के साथ मछली में पानी के टुकड़े और देखते ही देखते ओझल हो गए। हाथ से शिकार निकल जाने की वजह से बुगुलों की चीख अब धीमी गति से पढ़ी गई थी, वे हार गए थे।

उपरोक्त दो उदाहरणों के पीछे उद्देश्य सिर्फ इतना स्पष्ट है कि सफलता के साथ-साथ असफलता भी जीवन का हिस्सा है। जिस तरह हर रात के बाद सुबह होती है, हार के बाद जीत भी होती है, उसी तरह असफलता के बाद सफलता का स्वाद मिलने से कोई रोक नहीं सकता। इस बात की जरूरत है कि हम कोशिश करें कि केस में पीछे न हटें।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत लक्ष्य से अधिक खेत तालाब स्वीकृत

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में खेत तालाब निर्माण कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी की उप यंत्री श्रीमती खुशबू ब्रम्हे द्वारा अपने क्षेत्र में आवंटित कुल 43 खेत तालाब के विरुद्ध 45 खेत तालाब की स्वीकृति कराई जाकर कार्य प्रारंभ कराये गये है। साथ ही एक सप्ताह में 6 और अतिरिक्त खेत तालाब स्वीकृत कराये जाने के लिए प्रयासरत हैं। उपयंत्री श्री ब्रम्हे द्वारा ग्राम पंचायत झोली में सर्वाधिक 14 खेत तालाब स्वीकृत कराये गये, जिसमें सरपंच श्रीमती फुलवन्ती उईके एवं सचिव विनोद चौरसिया का विशेष सहयोग रहा। इसी प्रकार जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी की उपयंत्री श्रीमती पूजा गडकरी द्वारा अपने क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया गया हैं। श्रीमती गडकरी द्वारा आवंटित कुल 43 खेत तालाब के विरुद्ध 42 खेत तालाब की स्वीकृति कराई जाकर कार्य प्रारंभ कराये गये हैं। श्रीमती गडकरी द्वारा ग्राम पंचायत सिवनपाट में सर्वाधिक 10 खेत तालाब स्वीकृत किए गए, जिसमें सरपंच श्रीमती मुनाबाई मर्सकोले एवं सचिव श्रीवास मालाकार का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा जनपद पंचायत मुलताई के उपयंत्री तरुण कालबांडे द्वारा द्वारा उनको आवंटित कुल 25 खेत तालाब के विरुद्ध 26 खेत तालाब की स्वीकृति कराई जाकर कार्य प्रारंभ कराये गये हैं, जो कि लक्ष्य से अधिक हैं। श्री कालबांडे 03 और अतिरिक्त खेत तालाब स्वीकृति के लिए भी आश्वस्त किया हैं। श्री कालबांडे द्वारा ग्राम पंचायत पिपरिया में सर्वाधिक खेत तालाब स्वीकृत कराये गये, जिसमें सरपंच श्रीमती सीमा करदाते एवं जीआरएस कमल पंवार का विशेष सहयोग रहा।

15वें वित्त आयोग से जिले में 90.34 लाख की लागत से 13 विकास कार्य किए स्वीकृत

बैतूल। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत जिले में 90.34 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत जनपद पंचायत मुलताई की ग्राम पंचायत रिधोरा एवं परमंडल में 4.50-4.50 लाख की लागत से आरसीसी नाली निर्माण, ग्राम पंचायत पारडसिंगा में 5.50 लाख की लागत से उचित मूल्य की दुकान निर्माण, ग्राम पंचायत खेड़ाकला में 4 लाख की लागत से यात्री प्रतिक्षालय निर्माण एवं ग्राम पंचायत ऐनस में 6.50 लाख की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत प्रभात पट्टन की ग्राम पंचायत सिरसावाडी में 5 लाख की लागत से नाली निर्माण, ग्राम पंचायत रगडगांव में 7.39 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल निर्माण एवं ग्राम पंचायत सावंगी में 5 लाख की लागत से प्रोफाइल शीट शेड निर्माण, जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी की ग्राम पंचायत विक्रमपुर में राशि 9 लाख की लागत से नाली निर्माण एवं ग्राम पंचायत चिखलीमाल में राशि 4.50 लाख की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण, जनपद पंचायत भीमपुर की ग्राम पंचायत चिखली में राशि 10 लाख की लागत से स्टापडेम निर्माण एवं जनपद पंचायत भैंसदेही की ग्राम पंचायत गदराझिरी में राशि 10 लाख की लागत से स्टापडेम निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई हैं। जनपद पंचायत आमला की ग्राम पंचायत बोरदेही में राशि 14.45 लाख की लागत से घाट निर्माण एवं साफ सफाई भैंसई नदी पर स्वीकृत किया गया हैं।

आज का विद्युत कटौती शेड्यूल

बैतूल। बिजली कंपनी द्वारा आज 9 मई को गंज फीडर का मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। मेंटेनेंस कार्य के चलते शुक्रवार को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक 33/11 केव्ही हमलापुर उपकेंद्र में गंज फीडर के आबकारी के पास, दिलबहार चौक, मैकेनिक चौक, बीजेपी कार्यालय भवन के पास, गुरुद्वारा रोड, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी गंज, हाथी नाला वाला क्षेत्र, बीएसएनएल के पास, पुलिस कॉलोनी आदि क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेगी। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 के प्रबंधक ने बताया कि किन्ही अपरिहार्य कारणों से समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

ई-ऑफिस संचालन के लिए जिला अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

बैतूल। गुरुवार को ई-दक्ष केंद्र, बैतूल में ई-ऑफिस संचालन से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का संचालन जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रचना श्रीवास्तव और मास्टर ट्रेनर दिनेश पवार द्वारा किया गया। उन्होंने अधिकारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत नोटशीट तैयार करने, वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेषित करने, विभागों के मध्य सूचना संप्रेषण, डिजिटल सिग्नेचर के उपयोग, एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार पूर्वक प्रदान कीं। प्रशिक्षण के दौरान ई-ऑफिस में प्राप्त होने वाले ऑनलाइन पत्रों का अवलोकन, उनका निपटान एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को उचित रूप से प्रेषण की प्रक्रिया को भी स्पष्ट किया गया।

भगवान भरोसे एटीएम मशीनों की सुरक्षा

बैतूल। शहर के एटीएम पर गार्ड तैनात नहीं है। इनकी सुरक्षा पूरी तरह भगवान भरोसे है। इन एटीएम मशीनों के कक्ष में यदि किसी उपभोक्ता को कोई परेशानी हो जाएं या कैश विड्राल करते समय तकनीकी समस्याएं आ जाए, तो उन्हें अनजान व्यक्तियों की ही मदद लेनी पड़ती है या बैंक से संपर्क करना पड़ता है, जबकि रात में कैश निकालते वक्त उपभोक्ताओं में भय बना रहता है। खास बात यह है कि इन एटीएम मशीनों की सुरक्षा के प्रति लापरवाही से शहर के कई एटीएम

को बदमाश नुकसान भी पहुंचा चुके है। कई बार तो इन एटीएम मशीनों को लूटने और उनमें तोडफोड भी हो चुकी है। लेकिन फिर भी इन एटीएम मशीनों की सुरक्षा के प्रति बैंक लापरवाह बने हुए है। दरअसल शहर में दो दर्जन से अधिक बैंकों के एटीएम है। कुछेक एटीएम को छोड़ दें, तो बाकी सभी एटीएम मशीनों की सुरक्षा भगवान भरोसे है या सीसीटीवी कैमरे पर निर्भर है। यदि उपभोक्ता को कोई समस्या आ जाए, तो इसका समाधान करने वाला दूर-दूर तक नजर नहीं आता। एटीएम को नुकसान पहुंचाने की घटना में भी केवल सीसीटीवी फुटेज के बलबूते पर अपराधों की विवेचना और अपराधी तक पहुंचने के प्रयास किए जाते है। जबकि ऐसा भी नहीं है कि शहर में एटीएम मशीनों को लूटने या तोडफोड़ की कोई घटना नहीं हुई हो, लेकिन फिर भी एटीएम मशीनों की सुरक्षा के लिए बैंक प्रबंधन सजग नहीं है और न कोई ठोस इंतजामत किए जा रहे है।

बंद तक नहीं होते गेट- अधिकांश एटीएम कक्षों के दरवाजे बंद तक नहीं होते। मेंटेनेंस की कमी से कई एटीएम कक्षों के दरवाजे जाम हो गए है। इससे उपभोक्ताओं को कक्ष में आने-जाने में तो परेशानी होती ही है, साथ ही कई बार पालतू जानवर, मवेशी आदि भी

एटीएम कक्ष में घुस कर मशीनों को नुकसान पहुंचा देते है, खासकर बारिश के दिनों में पालतू जानवर, मवेशी इन एटीएम पर अपना डेरा जमाये रहते है। एटीएम कक्ष के इन दरवाजों के प्रति इस तरह की लापरवाही से क्या नुकसान हो सकता है, इस बात से बैंक प्रबंधन अच्छी तरह वाकिफ होने के बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। एटीएम मशीनों पर दिन तो दूर, रात में भी सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं रहते है। कुछ मशीनों पर जरूर गार्ड नियुक्त कर रखे है, लेकिन उनकी भी मानीटिरिंग न होने से उपस्थिति कम ही नजर आती है। खास बात यह है कि कुछ एटीएम मशीने संवेदनशील क्षेत्रों में भी है। जिससे सुरक्षा गार्ड के अभाव में मशीनों की सुरक्षा पर प्रश्न खड़ा हो गया है। इतना ही नहीं, रात में कैश निकालते वक्त उपभोक्ताओं में भय भी बना रहता है, क्योंकि ज्यादातर रात्रि में ही अपराध की संभावना रहती है।

विड्राल करते समय परेशानी आने पर भटकते है उपभोक्ता- एटीएम कक्ष में गार्ड की कमी, बैंक संपत्ति के लिए तो सुरक्षा का अभाव है ही, बैक उपभोक्ताओं के लिए भी परेशानी से कम नहीं है। कई बार एटीएम से रूपयों के ट्रांजेक्शन के वक्त गड़बड़ी हो जाती है या अन्य तकनीकी समस्या आने पर उपभोक्ताओं को अनजान व्यक्तियों की सहायता का सहारा लेना पड़ता है। इतना ही नहीं, फटे-गले नोट या अन्य प्रकार की दिक्कत आने पर उपभोक्ताओं को सहीं जानकारी तक उपलब्ध नहीं हो पाती। एटीएम मशीनें भी कई बार दो-तीन दिनों तक खाली रहती है। जिसकी समय पर जानकारी बैंक तक नहीं पहुंच पाती और उपभोक्ताओं को रूपए आहरित करने के लिए यहां-वहां भटकना पड़ता है। ऐसे में सबसे ज्यादा परेशानी उन उपभोक्ताओं का उठानी पड़ती है जिन्हें पैसो की सख्त आवश्यकता होती है और उन्हें एटीएम में रूपए नहीं होने जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

हो चुकी है कई घटनाएं

शहर में एटीएम मशीनों के कांच टूटने और मशीनों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हो चुकी है। इसके बाद भी इन एटीएम मशीनों की सूध लेने की दिशा में न तो बैंक प्रबंधन ने कोई सार्थक पहल की है और न सुरक्षा गार्ड तैनात किए है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि आखिर बैंक संपत्ति और जनता की मेहनत की कमाई की रखवाली आखिर करेगा कौन? सबसे ज्यादा विषम स्थिति तो उस समय बन जाती है जब दो-तीन दिनों का अवकाश एक साथ पड़ जाता है और एटीएम मशीनों में रूपए नहीं होते है। ऐसे में बैंक उपभोक्ताओं को राशि आहरण के लिए यहां-वहां भटकना पड़ता है या अन्य बैंकों की एटीएम मशीनों पर निर्भर रहना पड़ता है। लेकिन बैंक प्रबंधन द्वारा इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इनका कहना है

यदि ग्राहकों को एटीएम से संबंधित कोई भी समस्या है तो उन्हें हमसे शिकायत करनी चाहिए। एटीएम का रखरखाव एवं अन्य कार्यो के लिए सीएससी की टीम गणित की गई है। जोकि आरबीआई की गाइडलाइन के हिसाब से ही एटीएम का रखरखाव एवं संचालन करके ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवाएं देने का प्रयास करती है।

- क्षेत्रीय प्रबंधक,
क्षेत्रीय कार्यालय एसबीआई ऑफिस बैतूल

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 634 जोड़े ने लिए सात फेरे

परंपरागत रीति-रिवाजों से कराई सभी धर्मों के जोड़ों की शादी

बैतूल। सामूहिक विवाह सम्मेलन शाहपुर में आयोजन किया गया, जिसमें कुल 634 जोड़ों ने एक-दूसरे के साथ सात फेरे लेकर जीवन भर साथ निभाने का संकल्प लिया। यह आयोजन सामाजिक समरसता और धार्मिक एकता का प्रतीक बना, क्योंकि इसमें विभिन्न धर्मों के जोड़ों की शादी उनके-अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न कराई गई। इस आयोजन में कुल 634 आवेदन पात्र पाए गए थे, हर धर्म के जोड़ों की शादी उनकी परंपराओं के अनुसार कराई गई, जिससे यह सम्मेलन

सामाजिक समरसता और धार्मिक सौहार्द की मिसाल बन गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री श्री दुर्गादास उईके, घोड़ाडोंगरी विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके, जनपद अध्यक्ष शिव शंकर मवासे एवं जनपद उपाध्यक्ष रोशनी विशाल सिंह ठाकुर, नगर परिषद अध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि, एसडीएम डॉ अभिजीत सिंह, तहसीलदार सुनयना ब्राम्हे, जनपद सीईओ अमित दुबे उपस्थित रहे।

प्रशासनिक अधिकारियों ने दूल्हा-दुल्हन की बैठने की व्यवस्था से लेकर भोजन, मंच और विवाह मंडपों तक हर पहलू पर बारीकी से निगरानी रखी गई। यह सामूहिक विवाह सम्मेलन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संबल बना, समाज में एक सकारात्मक संदेश भी गया कि सभी धर्म, जाति और वर्ग के लोग एक मंच पर आकर सामाजिक परंपराओं को मजबूती दे सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत पात्र कन्याओं को उनके विवाह के समय कुल 55 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें 49 हजार रुपये का चेक सीधे कन्या के नाम से दिया जाता है ताकि वह अपने नए जीवन की शुरुआत सशक्त रूप से कर सके, जबकि 6 हजार रुपये विवाह समारोह के आयोजन के लिए दिए जाते हैं। इस योजना का लाभ वही परिवार उठा सकते हैं जो मध्य प्रदेश के मूल निवासी हों, जिनकी कन्या की उम्र कम से कम 18 वर्ष और वर की उम्र 21 वर्ष हो। योजना का बेटियों को आत्मनिर्भर बनाना है, जिसका क्रियान्वयन सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा किया जाता है।

बैतूल में सीएससी वीएलई कार्यशाला का हुआ आयोजन

नए प्रोजेक्ट और सेवाओं पर दी गई जानकारी

बैतूल। जिला पंचायत कार्यालय सभागार बैतूल में एक दिवसीय सीएससी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सीएससी राज्य कार्यालय भोपाल से पहुंचे सीएससी राज्य प्रमुख अतुलित राय ने सभी सीएससी वीएलई को विभिन्न सीएससी सेवाओं और नए प्रोजेक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सभी वीएलई की समस्याओं का निराकरण करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की संपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में आयुष्मान कार्ड, बिजली बिल, लोन बाजार, डिजीपे आधार कार्ड, बैंकिंग सेवाएं, बीमा सेवाएं, टेली लॉ सर्विस, ग्रामीण ई-स्टोर, फार्मर रजिस्ट्री, ई-केवाईसी जैसी सेवाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर सीएससी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वीएलई को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। कार्यशाला में राज्य कार्यालय से सागर गुप्ता और रवि सिंह, एक्सिस बैंक से दीपक हरचंदानी, आईआईएफएल से राहुल, आधार हाउसिंग से आशीष आर्य, एचडीएफसी बैंक से मनीष शर्मा, एसबीआई इंश्योरेंस से राकेश भैरवा, आकाश कोलंकर और सीएससी जिला प्रबंधक कमलेश रघुवंशी और विशाल झपाटे उपस्थित रहे। सभी वीएलई को इंश्योरेंस, लोन बाजार और आधार यूसीएल कार्य के बारे में जानकारी दी गई।

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक कल

बैतूल। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक 10 मई को दोपहर 12 बजे से लिंक रोड स्थित कैम्पन हाउस परिसर में आयोजित की गई है। मध्य प्रदेश विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष बीपी धामोढे ने बताया कि बैठक में सरकार द्वारा पेंशनरों को महंगाई राहत, एरियर्स व लंबित भुगतान में भेदभाव, कैशलेस चिकित्सा बीमा आदेश में विलम्ब, 30 जून /31 दिसंबर से संबंधित न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के परिपालन मे शासन-मंडल कंपनियों द्वारा हठधर्मिता, कम्युटेशन प्रकरणों की स्थिति आदि पर एसोसिएशन द्वारा की कार्यवाही की जानकारी पर चर्चा की जाएगी।

पान ठेला चलाने वाले एक गरीब पिता की बेटी ने रचा इतिहास

नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम में प्रदेश में प्रथम और ऑल इंडिया में छठवां स्थान हासिल किया

बैतूल। पान ठेला चलाने वाले एक गरीब पिता की बेटी प्रतिभा पिंजारे ने अपने संघर्ष और मेहनत से आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम (ANTHE) में प्रदेश में पहला और ऑल इंडिया में छठवां स्थान हासिल कर अपने परिवार सहित पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही प्रतिभा पिंजारे ने 10वीं की परीक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक लाकर जिले की प्रावीण्य सूची में अपना नाम दर्ज किया है। प्रतिभा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल की छात्रा है और विवेकानंद वार्ड निवासी पवन

पिंजारे और छाया पिंजारे की पुत्री हैं। पवन पिंजारे पान ठेला चलाकर अपनी बेटी के सपनों को साकार करने में जुटे हुए हैं। इस सफलता के बाद प्रतिभा ने अपने माता-पिता और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद उसे पढ़ाई के सभी साधन उपलब्ध कराए। प्रतिभा ने सभी विषयों में विशेष योग्यता हासिल की है, जिसमें अंग्रेजी में 89, हिंदी में 95, आईटी/आईटीईएस में 100, गणित में 100, विज्ञान में 98 और सामाजिक विज्ञान में 95 अंक प्राप्त किए।

शहर की सड़कों पर रात में छा सकता है अंधेरा, नगर पालिका में विद्युत सामग्री का हुआ टोटा, भुगतान नहीं होने से आपूर्ति रुकी

बैतूल/आमला। अगर आने वाले दिनों में रात में शहर के ज्यादातर इलाके में अंधेरा छा जाए और फिर भी स्ट्रीट लाइटें न जले, तो ज्यादा हैरान परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल शहर की स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव का जिम्मा संभाल रही नगर पालिका विभाग के पास बिजली और उससे जुड़े तमाम संसाधनों का टोटा हो गया है, हालत यह है कि पिछले कई महीनो से किसी तरह से शहर की स्ट्रीट लाइटों का जुगाड़ आदि करके काम चलाया जा रहा था, किंतु अब नगर पालिका बिजली विभाग के पास महीनों से जुगाड़ से चल रही स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के बचे कूचे संसाधन भी पूरी तरह खत्म हो चुके हैं। अगर हम सूत्रों पर भरोसा करें तो नगर पालिका बिजली विभाग की लगातार अनदेखी और विभाग में कुशल नेतृत्व की कमी से शहर की सड़कों चौक चौराहो और गलियों की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ा चुकी है, और अब आलम ये हो गया है कि नगर पालिका बिजली विभाग के पास लाइट बिजली के तार आदि तमाम उपकरण भी पूरी तरह खत्म हो चुके हैं, ऐसे में अब आने वाले दिनों में शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पूरी तरह ठप्प भी हो जाए तो ज्यादा हैरानी नहीं होगी जैसा कि हमें हमारे भरोसेमंद सूत्रों ने बताया है।

भुगतान नहीं होने से अटकी आपूर्ति

जैसा कि बताया गया है कि बीते लगभग 1 साल से नगर पालिका बिजली विभाग को बिजली उपकरण आपूर्ति करने वाली संस्था ने भुगतान नहीं होने की दशा में उपकरणों की आपूर्ति रोक दी है।अब सच चाहे जो हो किंतु जिस तरह से नगर पालिका में हालात बन रहे हैं उससे आम जनजीवन जरूर प्रभावित हो सकता है।

वसूली में फिसड्डी साबित होने से बन रहे हालात

नगर पालिका में बीते कुछ समय से मुफलिसी के जो हालात बने हैं,इसका सबसे बड़ा कारण एक यह भी है कि नगर पालिका में आए के स्रोत का ना होना साथ ही नगर पालिका द्वारा टैक्स आदि की वसूली में लगातार पिछड़ना नगर पालिका को मुश्किलों में डाल रहा है। जैसा कि नगर पालिका द्वारा हमें बताया गया है कि शहर के कई रसूखदारों के अलावा कई शासकीय संस्थान भी ऐसे हैं जो नगर पालिका को टैक्स देने से बचते हैं जिनमें बिजली विभाग और वन विभाग भी शामिल है।

इनका कहना है

आमला नगर पालिका द्वारा भुगतान रुक जाने से अभी आपूर्ति नहीं की गई थी, इसके अलावा बीते कुछ महीनो पहले जिस 400 बिजली राड़

बैतूल की बेटी हर्षिता गोठी को कला क्षेत्र में मिले दो स्वर्ण पदक

भारतीय किसान संघ ने किया सम्मानित

बैतूल। भारतीय किसान संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी नरेंद्र कुमार गोठी एवं श्रीमती निर्मला गोठी की सुपुत्री हर्षिता गोठी ने राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर से मास्टर इन फाइन आर्टस पेंटिंग्स में 85.5 प्रतिशत अंकों के साथ विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए उन्हें राज्यपाल मंगू भाई पटेल द्वारा को दत्तोपंत ठेंगड़ी सभा गृह, ग्वालियर में आयोजित दीक्षांत समारोह में दो स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया । पहला स्वर्ण पदक एमएफए टॉप करने के लिए और दूसरा स्वर्ण पदक चार वर्षीय कला डिग्री में सभी छात्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर प्रदान किया गया। हर्षिता ने बताया कि यह उपलब्धि निरंतर अभ्यास, परिवार का सहयोग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का परिणाम है। इस उपलब्धि पर भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों ने हर्षिता गोठी के निवास उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। इससे पूर्व ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह से हर्षिता और उनके माता-पिता की भेंट हुई थी। जहां उन्होंने भी हर्षिता को सम्मानित किया। हर्षिता की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार, संस्था और जिले के लिए, बल्कि सम्पूर्ण किसान समाज के लिए गर्व की बात है। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के नारायण सरले, दीपक कपूर, प्रवीण गुगनानी, राजेश अवस्थी, पुरूषोत्तम सरले आदि मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

नापाक चालबाज को मोदी का जवाब

आतंकियों की गोलियों से असमय हुई विधवा और उन जैसी दूसरी के चीत्कार से समूची दुनिया हक्का-बक्का थी। पहली बार आताताइयों ने सुहागनों के सिंदूर को उनके सामने गोलियों से छलनी किया। निश्चित रूप से भारत और बांकी दुनिया ऐसी नृशंस और विकृति से भरी आतंकी घटना को शायद ही कभी भूल पाए। कम से उन विधवाओं को जीवन भर वो शब्द कानों में गूंजते रहेंगे 'तुम्हें नहीं मारेंगे, जाओ मोदी को बता देना.....।' धर्म पूछकर छलनी करने वाले इन आतंकियों को नव विवाहताओं पर भी जरा रहम नहीं आई। स्वतंत्रता के बाद से ही भारत की आँखों की किरकिरी बने नापाक पाकिस्तान को इस बार भी लगा होगा कि भारत थोड़ी चीख-चिल्लाहट करेगा और शांत हो जाएगा। शायद ऐसे सटीक और माकूल जवाब ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर पाकिस्तान ने सपने में भी ऐसा जवाब नहीं सोचा होगा।

मंगलवार आधी रात हुए भारत के हवाई हमलों में 26 आम नागरिकों की मौत के बाद से ही दोनों देशों के बीच नियंत्रण रेखा पर तनाव चरम पर था। भारत ने दावे के बावजूद इस बात के सबूत भी दिए उसने वहां सिविलयनों और पाकिस्तानी फौज को बिना नुकसान पहुंचाए उन 9 चुनिंदा स्थानों पर सटीक हमला किया जो आतंक के गढ़ बने हुए थे। इन जगहों के बारे में अब एक-एक भारतीय और दुनिया को पूरी और प्रमाणित जानकारी हो चुकी है। बंटवारे के फौरन बाद से ही भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के हालात ऐसे हैं जो समय के साथ बढ़ते गए। विभाजन की कीमत पर बंटे दोनों देशों में पाकिस्तान ने मुसलमानों को तो भारत ने धर्मनिरपेक्षता को चुना। लेकिन तनाव में दोनों के ही हजारों लोगों की जान जा चुकी है। बंटते ही दोनों देशों के बीच पहला युध्द हुआ 1947 में हुआ जिसे प्रथम कश्मीर युद्ध भी कहते हैं। कश्मीर पर पहले पाकिस्तान ने हमला किया। राजा हरि सिंह ने स्थिति भांपते ही भारत में कश्मीर के विलय के कागजात पर दस्तखत किए। लेकिन तब तक आपसी तनाव काफी भड़क चुका था। संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से युध्द विराम हुआ। यह तय हुआ कि वहां जनमत संग्रह से तय होगा कि कश्मीर किधर जाएगा, जो हुआ ही नहीं। कश्मीरियों ने भारत के प्रति अपनी मंशा पहले ही जता दी थी। 1965 में फिर युद्ध हुआ। हजारों जान जाने के बाद सोवियत संघ और अमेरिकी मध्यस्थता से फिर संघर्ष विराम हुआ। महीनों की बातचीत के बाद ताशकंद समझौता हुआ। दोनों ने युध्द में कब्जाई जमीनें एक-दूसरे को लौटाईं और सेना वापस बुलाई। लेकिन पाकिस्तान अंदर ही अंदर सुलगता रहा। जिसकी परिणिति पूर्वी पाकिस्तान में खुले विद्रोह के रूप में सामने आई। यहां भारत ने वहां के बंगालियों का साथ दिया। पूर्वी हिस्सा आजाद होकर बांग्लादेश बन गया। 1972 में हुए शांति समझौता में कश्मीर में संघर्ष विराम की नियंत्रण रेखा यानी एलओसी तय हुई, जहां दोनों सेनाएं तैनात हुईं। अपनी हरकातों और चाल, चरित्र से बाज नहीं आ रहे पाकिस्तान ने 1989 में कश्मीर में फिर नफरत को हवा दी। वहां उग्रवादी आन्दोलन हुआ। कश्मीरी पंडितों को भागना पड़ा। भारत की सख्ती और कूटनीति के बावजूद पाकिस्तान बाज नहीं आया। 1999 में कारगिल युद्ध हुआ। पाकिस्तान ने कश्मीर के कई स्थानों पर कब्जा कर लिया। 10 हफ्ते चली लड़ाई में हजारों जान गई। भारत के टैंक और हवाई बमबारी के बीच परमाणु युद्ध से हालात बन गए। अमरीकी कोशिशों से युध्द थमा। लेकिन 2008 मुंबई में फिर आतंकी हुआ। इसमें 250 निर्दोषों की जान गई। भारत ने 9 आतंकियों को ढ़ेर और एक को जिंदा पकड़ दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया। बावजूद इसके पाकिस्तान सबूत-सबूत चिल्लाता रहा जो देने के बावजूद भी दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक की विवशता से एक बार फिर भारत ने कश्मीर

में सेना के ठिकानों पर घुसे आतंकवादियों को जवाब दिया। इसमें कम से कम 18 सैनिकों की शहादत हुई। 2019 में फिर युध्द के हालात बनें। आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी कार को भारतीय सुरक्षा बलों को ले जा रही बस से टकरा दी। हमारे 40 सैनिक शहीद हो गए। तब भारत ने फिर आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से कभी न तो बाज आया न ही कुछ सीख ली। और अब 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हमला कर महिलाओं के सामने ही घर के पुरुषों को चुन-चुन कर गोलियों से भूना। इसकी विश्वव्यापी निंदा हुई। किंकर्तव्यविमूढ़ भारत ने मंगलवार रात जो किया, उसे समूची दुनिया ने देखा। भारत के जवाब से तिलमिलाए पाकिस्तानी आपस में ही गुत्थमगुत्था हैं। वो मानते हैं कि भारतीयों सा मिसाइल दागने का कोई सानी नहीं। पाकिस्तान की दुविधा समझ आती है कि वो अब करे तो क्या करे? यह सच है कि चीन, पाकिस्तान का सहयोगी है। काफी कुछ झूठ परोसेगा। लेकिन भारत ने बिना पाकिस्तानी एयर स्पेस में घुसे जो सटीक और अचूक निशानों से दहशत के ठिकानों को रौंदा है उससे तकनीकी और मारक क्षमता दोनों जग जाहिर हुई। यह यकीनन सैन्य दृष्टि से दुनिया में सर्वश्रेष्ठ प्रयास के रूप में दर्ज होना ही है।

चीन को लेकर भारत ज्यादा चिंतित नहीं है। चीन कभी नहीं चाहेगा कि भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध हो। उसने 2005 से 2024 के बीच करीब 68 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश वहां कर रखा है। वहीं अमेरिकी टैरिफ से त्रस्त चीन- भारत में बहुत बड़े बाजार का सपना देख रहा है। यह भी सच है कि कई कारणों से पाकिस्तान में तमाम चीनी परियोजनाओं पर संकट ही संकट है। यकीनन तनाव बढ़ने से चीन के सारे सपने टूटेंगे। कर्ज से परेशान पाकिस्तान को एफएटीएफ यानी फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की कठोर कार्यवाइयों से बचाने, आगे चीन कैसी मदद देगा, सवालों में है? अभी तो चीन को पाकिस्तान में ही अपने नागरिकों की सुरक्षा की जबरदस्त चिंता है। ऐसे में भला चीन क्यों चाहेगा कि नया तनाव बढ़े और उसकी परियोजनाएं खतरों में आ जाएं। उधर उसका ग्वादर पोर्ट भी पाकिस्तान में तैयार है। लेकिन सवाल यह कि बेबस चीन क्या-क्या करेगा? वह पहले ही अमेरिका से टैरिफ वार में फंसा हुआ है। अब क्यों किसी नए मोर्चे पर, तकनीक के कमाल पर कमाल दिखाते भारत के साथ पंगा लेगा।

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हमारा ऑपरेशन सिंदूर अभी अधूरा है! हालाकि दुनिया मान बैठी कि जब तक पाकिस्तानी आतंकियों के सारे ठिकानें भारत, नेस्तनाबूद नहीं कर देगा, शांत बैठने वाला नहीं। अभी पीओके में कम से कम 21 ठिकानें चिन्हित हैं जिसे रौंदना है। भारत के शौर्य और पराक्रम पर जरा भी संदेह किसी को नहीं है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी के बाद जो समझाना चाहा उससे साफ झलकता है कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई की यह शुरुआत है। अभी तो सिर्फ 9 ठिकानों पर लगभग 70 आतंकी कैंपों को नेस्तनाबूद किया गया है। जबकि ढ़ेरों अभी बांकी है। ऑपरेशन सिंदूर की कामियाबी का सच बताने में भारत ने पीड़ित महिलाओं के सम्मान का पूरा ध्यान रखा। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह तथा विदेश सचिव विक्रम मिसरी के जरिए आधिकारिक सच दुनिया को बता निश्चित रूप से काबिल-ए-तारीफ काम किया। यह तो शुरुआत है, मिशन सिन्दूर-1 की। अंत, भारत की सहनशीलता और बार-बार छेड़े जाने के ठोस जवाबी सफलता का अनन्त होगा। मुंह की खाया पाकिस्तान जुबानी जंग में कुछ भी कहे लेकिन जो सबूत भारत ने दिए उससे उसे सिवाय शर्मिन्दगी के कुछ हासिल होने वाला नहीं। यकीनन मोदी ने वो बता दिया जो तुमने मोदी को बताने कहा था। शायद पाकिस्तान समझ पाता कि सिन्दूर के मायने क्या हैं?

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा हो रही है अब और भी कुशल

मरीज को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय स्थित हेलीपेड से एयर लिफ्ट करने की हुई मॉक ड्रिल

भोपाल। आपातकाल में नागरिकों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराने 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' से कई जिंदगियों को बचाया जा रहा है। सेवा में और तेजी लाने करने के लिए भोपाल में मॉक ड्रिल की गई। इस दौरान डमी मरीज को बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी में बनाए गए हेलीपेड से एयर लिफ्ट किया गया। इसके पहले भोपाल विमानतल से उड़कर बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय पहुंचे एयर एम्बुलेंस को लैंड करवाकर टेस्टिंग की गई।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से समय-समय पर कई ज़िंदगियों को बचाया जा चुका है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट एवं गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल सर्व सुविधायुक्त अस्पताल है। यहां से रेफर किए गए मरीजों को पूर्व में भी पीएम श्री एंबुलेंस के माध्यम से लिफ्ट कर उपचार हेतु भेजा गया है साथ ही प्रदेश के दूसरे जिलों से रोगियों को उपचार के लिए एम्स लाया जाता है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय स्थित हेलीपैड के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से नजदीक होने के कारण मरीज को शीघ्र ही उपचार हेतु भेजा जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर बाहर भी भेजा जा सकता है। भोपाल विमानतल तक पहुंचने में लगने वाले समय की अवधि को कम करने के उद्देश्य से इस मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से प्रदेश में कहीं भी चिकित्सा आपात स्थिति उत्पन्न होने या चिन्हित विशेष प्रकार की चिकित्सा सुविधा या चिकित्सा विशेषज्ञों की आवश्यकता निर्मित होने पर कठिन भौगोलिक परिस्थिति में प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक पहुंचकर उन्नत आपातकालीन चिकित्सा द्वारा मरीजों की को स्थिर कर उच्च चिकित्सा केन्द्रों तक एयर लिफ्ट किये जाने की सेवा प्रदाय की जाती है। पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा सड़कों एवं औद्योगिक स्थलों में होने वाले हादसों, प्राकृतिक आपदा में गंभीर पीड़ित घायल व्यक्ति को त्वरित उपचार के लिये हवाई परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि एम्स से बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर इस दूरी को अधिकतम 3 से 4 मिनिट में पूरा किया जा सकता है। गंभीर मरीजों को न्यूनतम समय में उपचार के लिए एयर लिफ्ट करवाने के उद्देश्य से मॉक ड्रिल की गई।

सागर में स्वास्थ्य विभाग के अधोसंरचना विकास कार्यों की समीक्षा की

निर्माण कार्यों में लायें गति, समानांतर रूप से खरीदें आवश्यक उपकरण एवं फर्नीचर: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल । उप मुख्यमंत्री एवं सागर ज़िले के प्रभारी श्री राजेन्द्र शुक्ल ने स्वास्थ्य अधोसंरचना निर्माण कार्यों में गति लाने और समानांतर रूप से आवश्यक उपकरण और फर्नीचर खरीदने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदाय शीघ्र प्रारंभ हो सके इसके लिए आवश्यक उपकरण और फर्नीचर की उपलब्धता भी साथ ही सुनिश्चित की जाए। इसके लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए मैनपॉवर की उपलब्धता बढ़ाने पर सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सागर में स्वास्थ्य विभाग के अधोसंरचना विकास संबंधी कार्यों की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सभी परियोजनाओं के बारे में जनप्रतिनिधियों से पूर्व में ही चर्चा की जाए तथा उनके साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किए जाएं। उन्होंने उपस्थित विधायक गण से भी कहा कि वे उनके क्षेत्र विशेष के कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति आदि से समय-समय पर अवगत कराएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निर्माण कार्यों, अधोसंरचना विकास कार्यों में गति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए बजट का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्यों

को समयसीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो, ताकि कार्यों की गति बनी रहे और गुणवत्ता भी सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लैंड एलॉटमेंट की प्रक्रिया यथासंभव शीघ्रता से करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य जैसी बुनियादी और जनहितकारी व्यवस्थाओं पर संबंधित अधिकारी प्राथमिकता पर ध्यान दें। उन्होंने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सब हेल्थ सेंटर/ आरोग्य मंदिर से संबंधित विभिन्न पूर्ण हो चुके तथा निर्माणाधीन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि जिले में उक्त सभी कार्यों की अनुमानित लागत लगभग 447 करोड़ रुपए है जो विभिन्न निर्माण एजेंसियों जैसे पीडब्ल्यूडी, पीआईएयू, हाउसिंग बोर्ड आदि से संबंधित हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने जिला चिकित्सालय के अंतर्गत 100 बिस्तरीय नवीन भवन के शीघ्र लोकार्पण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब में एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार बीना अस्पताल के रिनोवेशन /नवीनीकरण तथा वहां डॉक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बंडा पीएचसी में बाउंड्री वॉल को प्रस्ताव शामिल करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार 15वें वित्त के तहत कार्यों को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह संवेदनशील रहकर कार्य करें और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम लाने की दिशा में हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन एक प्रभावी योजना है जिसका सीएचसी , पीएचसी और आरोग्य केंद्रों के माध्यम से प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सशक्त और जनहितकारी बनाने के लिए अधोसंरचना, मानव संसाधन, उपकरण, प्रबंधन और तकनीकी सभी स्तरों पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों की सतत निगरानी करें और सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करें। विधायक श्री शैलेंद्र जैन, श्री वीरेंद्र लोधी, श्रीमती निर्मला सप्रे, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत, कलेक्टर श्री संदीप जी आर , पुलिस अधीक्षक श्री विकास शाहवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री ने किया पलकमती नदी पर पूजन

मध्यप्रदेश नदियों के उद्गम का मायका है: मंत्री प्रहलाद पटेल

सुबह सवेरे सोहागपुर। हमारे अलावा ऐसा कोई राज्य नहीं है जो इतनी नदियों का उद्गम स्थल हो। मध्यप्रदेश नदियों के उद्गम का मायका है। आप लोग संगम पर नहाकर तो खुश हो जाते हैं ।मगर किसी ने नदी के उद्गम को शायद ही देखा हो। आप जाइए पलकमती नदी के उद्गम पर एक बूंद पानी नहीं है वहां। अगर पलकमती को रिचार्ज करना है तो डेढ़ दो किलोमीटर तक हमको पलकमती को ठीक करना होगा। उक्त बात पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने बुधवार को वाटर बॉडी योजना के भूमि पूजन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में कहें। इस अवसर पर सांसद दर्शनसिंह चौधरी , राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक विजयपाल सिंह, कलेक्टर सोनिया मीना, एसपी गुरुकरणसिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल , सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। आपने आगे कहा कि पलकमती नदी का भला खेत तालाब से हो सकता है।खेत तालाब का लाभ हम नदी किनारे के किसानों को दे दें। जिससे किसानों

का भी भला होगा और पलकमती भी रिचार्ज होगी। हमारे पास पानी का टोटा नहीं है किन्तु इसका ये मतलब नहीं है कि हम पानी की चिंता न करें। कार्यक्रम का संचालन डॉ संजीव शुक्ला ने किया। इसके पूर्व पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल आदि अतिथियों ने मां सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर भूमिपूजन करके ।इसी अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने कहा कि अमृत 2.0 योजना अंतर्गत जल निकाय पुनरुद्धार वाटर बॉडी कार्य लागत 50.81 लाख भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक विजयपाल सिंह ने कहा पलकमती की स्वच्छता के लिए इसमें मिलने वाले गंदे पाने को रोककर ट्रीटमेंट की योजना प्रस्तावित है। नदी में अब गंदा पानी नहीं मिलेगा। मंच से विधायक विजयपाल ने यह भी कहा मंत्री जी ने पूरी नदी किनारे को सीमेंट कांक्रीट से पक्का करने को मना किया है । उन्होंने कहा है कि कुछ स्थानों पर अलगे लगाकर पिचिंग बनाई जाए ताकि सीपेज का पानी नदी तक पहुंच सके।

दास्ता पत्नि को प्रताड़ित करने वाले पति, जेठ एवं जेठानी को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंकिता श्रीवास्तव के न्यायालय द्वारा महिला के साथ मारपीट करने वाले आरोपीगण विजय साहू पिता शंकरलाल साहू, आयु 50 वर्ष, प्रभुनारायण उर्फ राजू साहू पिता शंकरलाल साहू, आयु 54 वर्ष, सुनीता साहू पति प्रभुनारायण साहू, आयु 41 वर्ष तीनों निवासी-बरमानकला, थाना-सुआतला, जिला नरसिंहपुर को क्रमशः विजय साहू को धारा 323/34 भा.द.सं. के आरोप में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 200/- रूपये के अर्थदण्ड से, प्रभुनारायण उर्फ राजू साहू को धारा 323/34 भा.द.सं. के आरोप में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 200/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया एवं सुनीता साहू को धारा 323/34 भा.द.सं. के आरोप में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 200/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 14.05.2020 को फरियादी सुधा ने प्रथम सूचना रिपोर्ट लेखबद्ध कराई, जिसके अनुसार अभियुक्त विजय साहू ने उसे दो साल पहले दास्ता पत्नी के रूप में घर में बिठा लिया था। अभियुक्त विजय साहू ने उसे लगभग छः माह से परेशान कर रहा है, खाने पीने का सामान नहीं दे रहा। दिनांक 13.05.2020 को रात्रि 08:00 बजे वह अपने घर पर थी, इतने में खाने पीने के सामान की बात कर जेठ राजू साहू जेठानी सुनीता साहू गंदी-गंदी गालियां देने लगे। मना करने पर जेठ तथा जेठानी उसके साथ हाथ-मुक्के से मारपीट करने लगे, इतने में उसके पति विजय साहू आ गये। फिर तीनों गालियां देने लगे जेठ और जेठानी ने उसके पति से बोला इसको घर से निकालो फिर पति उसे घर के अंदर ले गये तथा उसके साथ लोहे के छोटे मूसर के साथ मारपीट किया। उसे दाहिने पैर के घुटने के पास, दाहिने हाथ की कलाई के पास, दाहिनी तरफ कान में तथा पीठ पर मुंदी चोट आई। घटना भागचंद साहू एवं मुन्ना साहू ने देखी थी, फिर अभियुक्त विजय साहू बोलने लगा कि अगर घर से नहीं निकली तो जान से खत्म कर देंगे। फरियादिया सुधा साहू द्वारा घटना की प्रथम सूचना रिपोर्ट चौकी बरमान थाना सुआतला में लेखबद्ध कराई। आहत सुधा साहू का मुलाहिजा परीक्षण कराकर रिपोर्ट प्रकरण में संलग्न की गई। पुलिस द्वारा संपूर्ण अनुसंधान कार्यवाही उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी एडीपीओ घनश्याम प्रजापति द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपीगण विजय साहू पिता शंकरलाल साहू, आयु 50 वर्ष, प्रभुनारायण उर्फ राजू साहू पिता शंकरलाल साहू, आयु 54 वर्ष, सुनीता साहू पति प्रभुनारायण साहू, आयु 41 वर्ष तीनों निवासी-बरमानकला, थाना-सुआतला, जिला नरसिंहपुर को क्रमशः विजय साहू को धारा 323/34 भा.द.सं. के आरोप में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 200/- रूपये के अर्थदण्ड से, प्रभुनारायण उर्फ राजू साहू को धारा 323/34 भा.द.सं. के आरोप में 6 माह का सश्रम कारावास एवं 200/- रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

एम्स भोपाल में विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल। एम्स भोपाल में कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, अंतरराष्ट्रीय थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर बाल रोग विभाग द्वारा एवं इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सहयोग से एक जागरूकता एवं परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एम्स के पीडियाट्रिक ओपीडी परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के अभिभावकों सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। वर्ष 2025 की थीम थैलेसीमिया के लिए एकजुटः समुदायों को जोड़ना, रोगियों को प्राथमिकता देना, इस रोग से लड़ने के लिए समुदाय-आधारित और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

कार्यक्रम में डीएम पीडियाट्रिक हीमैटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी रेज़िडेंट डॉ. अनुराग मोहंती ने बताया कि जन्म के समय थैलेसीमिया के लक्षण दिखाई नहीं देते क्योंकि उस समय भ्रूणीय हीमोग्लोबिन उपस्थित रहता है। जब यह घटता है (6 माह से 2 वर्ष की उम्र तक), तब लक्षण सामने आते हैं जैसे कि पीला पड़ना और साँस फूलना। इन बच्चों को जीवनभर रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है। प्रो. (डॉ.) गिरीश भट्ट ने बताया कि यदि थैलेसीमिया रोगियों का हीमोग्लोबिन स्तर 9 ग्राम प्रतिशत से ऊपर बनाए रखा जाए और साथ ही आयरन घटाने की दवा नियमित रूप से दी जाए तो वे चालीस से पचास वर्ष की आयु तक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। दवा न लेने पर शरीर में लोहा (आयरन) जमा होकर अंगों को नुकसान पहुँचाता है। एमपीआईएपी अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) महेश महेश्वरी ने थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों में विकास और हार्मोन संबंधित समस्याओं की समय पर पहचान के लिए नियमित अनुवर्ती जांच की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. नरेंद्र चौधरी, पीडियाट्रिक हीमैटोलॉजिस्ट-ऑन्कोलॉजिस्ट ने एचएलए टाइपिंग और बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन की भूमिका समझाई, जिससे इस रोग को पूर्णतः ठीक किया जा सकता है और बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है।

रीवा में रील बना रही युवती को लगी गोली, मौत

सतना से शादी में ननिहाल आई थी; परिवार बोला- किसने फायरिंग की, पता नहीं

रीवा (नप्र)। रीवा जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के बुसौल गांव में रील बना रही युवती की गोली लगने से मौत हो गई। माही सिंह बघेल (18) सतना जिले के रामपुर बघेलान क्षेत्र के महुरछ गांव की रहने वाली थी। वह अपनी मां के साथ एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने अपने ननिहाल बुसौल आई थी।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार दोपहर में घर के लोग परिवार में हो रही शादी के तैयारियों में लगे थे। माही घर में अकेली थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान वह मोबाइल से रील बना रही थी तभी अचानक फायरिंग हुई और गोली लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सेमरिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भिजवाया। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि यह घटना हादसा थी या आत्महत्या, साथ ही जिस बंदूक से फायरिंग हुई वह वैध थी या अवैध।

पिता बोले- यह कैसे हुआ, मुझे नहीं पता- माही के पिता रणदेव सिंह बघेल ने बताया कि घटना के समय वह घर में अकेली थी। जिस बंदूक से गोली चली, उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। परिजन का कहना है कि माही सोशल मीडिया पर रील बनाने की शौकीन थी और संभवतः इसी दौरान यह घटना घटी। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने कहा कि मामले की जांच जारी है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या है या दुर्घटनावश ही मौत हुई है।

प्रदेश में 15 हजार ईको क्लब गठित

प्रति विद्यालय पर्यावरण की दृष्टि से 35 पौधों का रोपण

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिये विद्यालयों में ईको क्लब का गठन लगातार किया जा रहा है। अब तक 15 हजार ईको क्लब का गठन किया जा चुका है। प्रदेश में वर्ष 2022-23 से यूथ एण्ड ईको क्लब के गठन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये थे। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष ईको क्लब की गतिविधियों के संबंध में कैलेण्डर जारी किया जाता है।

शैक्षणिक सत्र-2024-25 में 5 से 12 जून, 2024 तक राज्य में पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत समर कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान, जल शक्ति अभियान, सम्पोषणीय जीवन-शैली संबंधित गतिविधियाँ, ईको हेकाथॉन के साथ निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गयीं। निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक जीवित गवाह, एक पेड़ की नजर से रखा गया था।

वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल का आवंटन निरस्त, ब्लॉक का सम्पूर्ण तल वन विभाग को आवंटित

भोपाल। वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल एजेंसी द्वारा लोक परिसम्पत्ति विभाग को सौंपे गये थे। लोक परिसम्पत्ति विभाग द्वारा वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल संस्थाओं को आवंटित किये गये थे, उनका आवंटन निरस्त कर ई-ब्लॉक का सम्पूर्ण तल वन विभाग को आवंटित करने के आदेश राज्य शासन द्वारा जारी कर दिये गये हैं। आदेश मंत्रि-परिषद के निर्णय दिनांक 22 अप्रैल, 2025 के अनुक्रम में जारी किया गया। वन भवन के ई-ब्लॉक के 3 तल वर्तमान एजेंसी द्वारा संस्थाओं से राशि प्राप्त कर आवंटित किये गये थे। इनमें प्रथम तल मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल, श्रम कल्याण मण्डल भोपाल, मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार मण्डल को स्थान आवंटित किया गया था।

पन्ना, छतरपुर, दमोह के 67 गांवों का जोनल मास्टर प्लान

टाइगर रिजर्व के इको सेंसिटिव जोन की 11 माह में हुई पहली बैठक; नए उद्योग नहीं लगेंगे

भोपाल (नप्र)। पन्ना टाइगर रिजर्व के इको सेंसिटिव जोन में आने वाले पन्ना, छतरपुर और दमोह जिलों के 67 गांवों का जोनल मास्टर प्लान तैयार होगा। यह काम एक साल में पूरा किया जाएगा। टाइगर रिजर्व इको सेंसिटिव जोन घोषित होने के 11 माह बाद हुई पहली बैठक में यह तय किया गया है कि प्रस्तावित जोन में लैंड यूज एरिया की स्थिति स्पष्ट की जाए। इसमें सभी प्रकार की व्यवसायिक खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध सहित नए उद्योग स्थापना पर भी रोक शामिल रहेगी। नेशनल पार्क के एक किमी के दायरे में ही होटल और रिसोर्ट संचालित होंगे।

टाइगर रिजर्व को इको सेंसिटिव जोन घोषित करने की कार्यवाही 5 जून 2024 को हुई थी। इसके बाद संभागायुक्त सागर की अध्यक्षता में पहली बैठक में मंडला के कर्णावती व्याख्या केन्द्र में पन्ना टाइगर रिजर्व एवं गंगऊ अभ्यारण्य क्षेत्र में प्रस्तावित ईको सेंसिटिव जोन के संबंध में मॉनिटरिंग समिति की बैठक हुई।बैठक में समिति के अध्यक्ष और संभागायुक्त सहित पन्ना, छतरपुर कलेक्टर, क्षेत्र संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व मौजूद रहे।

बैठक में कहा गया कि कार्य योजना के अनुसार ईएसजेड के लिए कार्यवाही की जाएगी। इसमें पन्ना, छतरपुर और दमोह जिले के 67 गांवों को शामिल किया गया है। इसके लिए संबंधित क्षेत्र के तहसीलवार तैयार मैप के मुताबिक भविष्य में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा तैयार करेंगे और 2026 तक जोनल मास्टर प्लान तैयार करने का काम पूरा करेंगे। इस दौरान प्रस्तावित जोन में लैंड यूज एरिया पर भी चर्चा की गई।

सेंसिटिव जोन में 3 उपायों पर काम होगा

सेंसिटिव जोन में तीन तरह के उपाय किए जाना हैं, इसमें पूर्णतः प्रतिबंधित, नियंत्रित और बढ़ावा देने वाली अलग-अलग गतिविधियां शामिल हैं।

यहां ध्वनि और वायु प्रदूषण सहित अन्य प्रतिबंधित गतिविधियों के लिए जारी नियमों का पालन करना आवश्यक है।

जोन में सभी प्रकार की ईको फ्रेंडली गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिसमें रेन वाटर हॉर्वेस्टिंग, स्किल डेवलपमेंट और पौधारोपण जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

यहां जन जागरूकता गतिविधियों, जोनल मास्टर प्लान की जरूरत और प्रस्तावित जरूरी कार्यों के लिए समिति बनाने और विशेषज्ञों की नियुक्ति की जानकारी भी बैठक में दी गई।

इसमें केन बेतवा परियोजना के अभियंता द्वारा बांध एवं नहर के अलग-अलग निर्माण कार्यों के दौरान कुछ मुद्दों पर ध्यान आकृष्ट कराया गया, जिस पर प्रस्तावित जोन में एसओपी का पालन कर इन्फ्रास्ट्रक्चर, डेवलपमेंट और अन्य गतिविधियों के संचालन पर सहमति बनी।

मप्र के 15 जिलों में बारिश,6 में ओले का अलर्ट

इंदौर, जबलपुर समेत 22 जिलों में तेज आंधी चलेगी; भोपाल में बादल

● धार में तेज आंधी-बारिश से केले और पपीते की फसल बर्बाद

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के कुछ जिलों में बारिश-आंधी की वजह से तापमान में कमी आई है। आज गुरुवार को भोपाल में बादल छाए थे। वहीं, मौसम विभाग ने इंदौर, ग्वालियर के साथ बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, श्योपुर, धार, उज्जैन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, नीमच, मंदसौर, मुरैना और शिवपुरी जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां आकाशीय बिजली चमकने के साथ आंधी भी चल सकती है।

पश्चिमी हिस्से यानी इंदौर संभाग के 6 जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। इनमें खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर और झाबुआ शामिल हैं।

वहीं, इंदौर, जबलपुर समेत 22 जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। इनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, सिंगरौली में है।

नीमच में डेढ़ इंच से ज्यादा बारिश- इससे पहले मध्यप्रदेश के 20 जिलों में पिछले 24 घंटे के भीतर बारिश और आंधी वाला मौसम रहा। इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर, बड़वानी, खरगोन, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा के साथ गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, पन्ना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, मंदसौर, नीमच, झाबुआ, रतलाम, श्योपुर जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश नीमच के मनासा में डेढ़ इंच से ज्यादा हुई।

दूसरी ओर, कई जिलों में तेज आंधी भी चली। मौसम विभाग के अनुसार, उज्जैन में 67 किमी, सिंगरौली में 58 किमी, शहडोल में 41 किमी, छिंदवाड़ा-अशोकनगर में 34 किमी, शाजापुर में 32 किमी और गुना-बैतूल में 28 किमी प्रतिघंटा हवा की रफ्तार दर्ज की गई।

इन चार सिस्टम से बदला मौसम- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस, टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से प्रदेश में मौसम बदला हुआ है। गुरुवार को कई जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। ऐसा ही मौसम 11 मई तक बना रहेगा।

तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए होगा एमओयू

तीसरी नदी जोड़ो परियोजना पर काम शुरू करेगी मोहन सरकार, महाराष्ट्र के सीएम आएंगे

भोपाल (नप्र)। केन बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना के बाद मोहन यादव सरकार अब तीसरी नदी जोड़ो परियोजना पर भी काम करेगी। इसके लिए महाराष्ट्र और एमपी सरकार के बीच शनिवार को भोपाल में एमओयू होगा जिसमें तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना पर काम के लिए सहमति बनेगी। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़नवीस इस एमओयू के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ मौजूद रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश शीघ्र ही तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन की ओर अग्रसर है। यह परियोजना महाराष्ट्र के सहयोग से पूरी की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो परियोजना की संकल्पना को क्रियान्वित करने में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद महाराष्ट्र के साथ तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू होने जा रहा है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी 10 मई को भोपाल में मौजूद रहेंगे। दोनों राज्यों में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और पेयजल उपलब्धता को सुगम बनाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे गुजरात भी लाभान्वित होगा।

इस परियोजना से महाराष्ट्र के उत्तरी क्षेत्र और मध्य-प्रदेश के दक्षिणी इलाकों में पानी की सप्लाई हो सकेगी। इससे नागपुर में पेयजल और छिंदवाड़ा में सिंचाई की समस्या का समाधान होगा। प्रदेश सरकार के अनुसार यह दुनिया का सबसे बड़ा भूजल पुनर्भरण प्रोजेक्ट होगा। इसके लिए तापी बेसिन मेगा रिचार्ज और कान्हा उप-बेसिन परियोजनाओं के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। परियोजना मध्य प्रदेश के लंबे समय से चल रहे अंतर्राज्यीय जल-बंटवारे विवादों को सुलझाने के प्रयासों का हिस्सा है।

कुल 31.13 टीएमसी पानी का होगा इस्तेमाल- तापी मेगा रिचार्ज परियोजना में 31.13 टीएमसी पानी का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टीएमसी मध्य प्रदेश और 19.36 टीएमसी महाराष्ट्र को आवंटित किया जाएगा। इस परियोजना से मध्य प्रदेश में 123082 हेक्टेयर और महाराष्ट्र में 234706 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी।

इन जिलों को होगा फायदा- इस योजना से प्रदेश में छिंदवाड़ा, बुरहानपुर और खंडवा जिले को फायदा होगा। परियोजना पूरी करने किसी भी गांव का विस्थापन नहीं होगा, इसलिए पुनर्वास कार्यक्रम की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। पहले 66 टीएमसी का जलाशय बनाने का प्रस्ताव था लेकिन विस्थापन और वन क्षेत्रों और बाघ अभयारण्यों पर प्रभाव को लेकर भूजल पुनर्भरण मॉडल पर फोकस किया गया।

कूप रिचार्ज पिट निर्माण में खंडवा जिले ने हासिल किया 100 फीसदी का लक्ष्य

जल गंगा संवर्धन अभियान में मिले लक्ष्य को पूरा करने वाला बना प्रदेश का पहला जिला

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश पुराने जल स्त्रोतों को सहेजने, नया जीवन देने और किसानों को सिंचाई व पीने के लिए नलकूप, कुओं से पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, सोख्ता गड्ढ़ा, बोरी बंधान सहित बारिश का पानी रोकने के लिए अन्य कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी जिलों को लक्ष्य भी दिया गया है। खंडवा जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बना है, जिसने कूप रिचार्ज पिट निर्माण में 100 फीसदी का लक्ष्य हासिल किया है।

4 हजार 700 का मिला था लक्ष्य, बनाए 4 हजार 838- जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खंडवा जिले को 4 हजार 700 कूप रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य मिला था, जिसे

समय से पहले और लक्ष्य से अधिक पूरा कर लिया गया है। जिले में 4 हजार 838 कूप रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ खंडवा श्री नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले में 15 हजार कूप रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं, करीब 10 हजार का कार्य प्रगतिरत है।

जल संचय, जन भागीदारी अभियान में देश में तीसरे नंबर पर है खंडवा जिला

बारिश के पानी का संचयन करने के लिए भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जल संचय, जन भागीदारी अभियान राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है, इसमें देश के सभी जिलों में बारिश के पानी को एकत्र करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज पिट, स्टॉप डैम, सोख्ता गड्ढा सहित विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश का खंड़वा जिला 7 मई की स्थिति में देश में तीसरे नंबर पर है।

30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक चलेगा अभियान

प्रदेश में बारिश के पानी को सहेजने, पुराने जल स्त्रोतों को संवारने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

कूप रिजार्च पिट के फायदे

कूप रिचार्ज पिट, जिसे रिचार्ज शाफ्ट या रिचार्ज पिट भी कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य भू-जल स्तर को बढ़ावा देना है। बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसने से भू-जल स्तर बढ़ता है। साथ ही कूप या नलकूपों के सूखने की संभावना भी कम रहती है। साथ ही सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहती है।

मालेगांव ब्लास्ट का फैसला 31 जुलाई तक टला

एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से मांगा समय, साध्वी प्रज्ञा बोलीं-सत्यमेव जयते

भोपाल (नप्र)। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट मामले में फैसला टल गया है। गुरुवार को एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से दोषियों को सजा सुनाने के लिए 31 जुलाई तक का समय मांगा है। माना जा रहा है कि अब एनआईए कोर्ट 31 जुलाई को फैसला सुनाएगा।

इससे पहले गुरुवार सुबह मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह समेत सभी आरोपी और पीड़ित कोर्ट पहुंचे। केस की मुख्य आरोपी भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर हैं। साध्वी के अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत कुल 12 आरोपी हैं, जिन पर आतंकी साजिश, हत्या, धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोप हैं।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी और 101 घायल हुए थे। शुरुआत में मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। साल 2011 में केस नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया।

एनआईए ने प्रज्ञा सिंह समेत केस के आरोपियों को

क्लीनचिट दे दी थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में एनआईए ने यू-टर्न लेते हुए मुंबई की स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि आरोपियों को बेकसूर मानने की बात गलत है, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

साध्वी ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा विश्वास- कोर्ट के बाहर प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- आज डिसीजन होना था, ऐसा नहीं है। जज साहब ने तारीख दी थी। अगली तारीख में डिसीजन होगा, ये तय है। जज साहब ने कहा कि इसमें एक लाख से अधिक पेज हैं। बड़ा केस है। इसमें समय लगता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सबको न्याय मिले। अगली तारीख 31 जुलाई दी है। इसमें सभी को उपस्थित होना चाहिए।

ठाकुर ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा पूर्ण विश्वास है। जिस व्यक्ति पर आरोप लगता है या तो वो जानता है या ईश्वर जानता है। सरकारी पक्ष की ओर से कैपिटल पनिसमेंट की मांग के सवाल पर प्रज्ञा ने कहा- एटीएस चाहती तो मेरी मुंडी उसी दिन मरोड़ देती। उनकी इतनी दुश्मनी है। पता नहीं क्यों है? मैं विधर्मियों के लिए उनकी दुश्मन हूं और हमेशा रहूंगी। जो देशविरोधी हैं...देश के गद्दार हैं, उनकी मैं दुश्मन हूं।

वकील बोले- 31 जुलाई को पता चल जाएगा कि कैसे फंसाया गया

साध्वी प्रज्ञा सिंह के वकील जेपी मिश्रा ने बताया- 19 अप्रैल को केस आर्गुमेंट से क्लोज हुआ। कोर्ट ने आज 8 मई को केवल सभी आरोपियों को हाजिर रहने के लिए कहा था। सभी ने हाजिरी लगाई। दीदी (प्रज्ञा) भी मौजूद रहीं। अब 31 जुलाई को जजमेंट आएगा। कोई सबूत हो या न हो, जो प्रॉसिक्यूट करता है, वह कहता है कि सबको सजा दो। हम कहते हैं, सबको छोड़ दो। कोर्ट सबूतों के आधार पर डिसाइड करता है कि छोड़ना है या सजा देना है। उन्होंने कहीं नहीं कहा कि कैपिटल पनिशमेंट दो। फांसी दो, कहीं नहीं है। 31 जुलाई को जजमेंट आएगा तो दुनिया को मालूम पड़ जाएगा कि कौन निर्दोष है और आरोपियों को कैसे फंसाया गया।

मिश्रा ने कहा- केस में 17 साल लगे, इसके लिए हम लोग जिम्मेदार नहीं हैं, प्रॉसिक्यूशन जिम्मेदार है। झूठा मकोका लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने मकोका कैंसिल किया। इसमें 8 साल लग गए। नौ-नौ साल तक लोगों को जेल में रखा गया। ये उस समय के एटीएस की बदमाशी थी, नहीं तो इतना समय नहीं लगता।

323 गवाहों में से 32 ने बदल दिए थे बयान

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने अदालत से आरोपियों के साथ किसी भी तरह की नरमी न बरतने का आग्रह किया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान 323 गवाहों में से 32 ने अपने बयान वापस ले लिए थे।